सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 346 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 29 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

महानदी जल विवाद पर गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 1 अक्टूबर को बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच लंबे समय से चले आ रहे महानदी जल बंटवारे के विवाद को सुलझाने की कोशिशें तेज हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 1 अक्टूबर को दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की उच्चस्तरीय बैठक प्रस्तावित है। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। ओडिशा के महाधिवक्ता पितांबर आचार्य ने बैठक की जानकारी दी है। बैठक में महानदी के जल के बंटवारे और प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर दोनों राज्यों के पक्षों पर चर्चा होगी। महाधिवक्ता आचार्य के अनुसार, दोनों राज्यों के बीच आपसी समझ के जरिए समाधान की दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। केंद्रीय जल आयोग के सचिव ने पिछली बैठकों से जुड़ी जानकारी महानदी जल विवाद ट्रिब्यूनल के समक्ष भी प्रस्तुत की है, जिसे रिकॉर्ड पर लिया गया है।

चुनाव आयोग के फैसलों पर सवाल उठाने वाली याचिका पर अगले हफ्ते सुनवाई

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के फैसलों को लेकर सवाल उठाने वाली एक याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई करने पर सहमति जताई है। यह याचिका मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता वाले चुनाव आयोग के फैसलों से संबंधित है। यह मामला मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची, न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के सामने रखा गया। वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने अदालत के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया। मामले में अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि कानूनी व्यवस्था के अनुसार बहुसदस्यीय चुनाव आयोग के फैसले सर्वसम्मति या बहुमत से होने चाहिए। उन्होंने अदालत में कहा कि चुनाव आयोग जिस तरह काम कर रहा है, उससे इस बात को लेकर गंभीर संदेह है कि उसके फैसले सर्वसम्मति से लिए जा रहे हैं या नहीं।

होर्डिंग पोल से लटकी मिली युवक की लाश

रायपुर। राजधानी रायपुर में मंगलवार सुबह पंडरी थाना क्षेत्र में कार शोरूम के पास होर्डिंग पोल से गमछे के सहारे एक युवक का शव लटका मिला। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पंडरी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। उसकी उम्र करीब 35 साल होने का अनुमान है। घटनास्थल की शुरुआती जांच में युवक के सिर पर चोट के निशान भी मिले हैं। पुलिस आत्महत्या के साथ हत्या की आशंका को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। इससे पता लगाया जा रहा है कि युवक रात में वहां कैसे पहुंचा और साथ कोई अन्य व्यक्ति था या नहीं।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता कबड्डी टीम की खिलाड़ी संजू देवी को मिलेंगे 51 लाख

मुख्यमंत्री साय ने की घोषणा, बोले- छत्तीसगढ़ की बेटी ने बढ़ाया मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एशियन गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला कबड्डी टीम की सदस्य और छत्तीसगढ़ की बेटी संजू देवी ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर सीएम विष्णु देव साय से मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए संजू देवी को बधाई देते हुए उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संजू देवी को 51 लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संजू देवी ने अपने उत्कृष्ट खेल, परिश्रम और संकल्प से छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है।

भारत ने जीता था स्वर्ण

उल्लेखनीय है कि जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 की महिला कबड्डी स्पर्धा में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में ईरान को पराजित कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले की खिलाड़ी संजू देवी ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

हमारा प्रयास मिले बेहतर संसाधन

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और प्रोत्साहन मिले। उन्होंने संजू देवी की मेहनत और खेल के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक खिलाड़ी की उपलब्धि हजारों युवाओं नई उड़ान देती है।

बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, 23 को पहुंचेगी जगदलपुर

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भेजा था निमंत्रण, राष्ट्रपति ने किया स्वीकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोक परंपराओं और गौरवशाली विरासत के प्रतीक बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार में देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निमंत्रण पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने 23 अक्टूबर 2026 को जगदलपुर में आयोजित होने वाले मुरिया दरबार में शामिल होने का आमंत्रण स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति मुर्मु को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का निमंत्रण पत्र सौंपने के अवसर पर केंद्रीय मंत्री तोखन साहू, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, बस्तर लोकसभा सांसद महेश कश्यप तथा संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन उपस्थित रहे।

मां दंतेश्वरी को समर्पित बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट जनजातीय परंपराओं, लोक आस्था और सामुदायिक सहभागिता के लिए देशभर में अपनी अलग पहचान रखता है। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर दशहरा छत्तीसगढ़ की ऐसी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा है, जिसकी पहचान केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश और दुनिया में है। मुरिया दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति बस्तर की जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के लिए अत्यंत गौरव का अवसर है।

बस्तर दशहरा की परंपराओं में मुरिया दरबार का विशेष महत्व

बस्तर दशहरा की परंपराओं में मुरिया दरबार का विशेष महत्व है। यह आयोजन बस्तर की सामाजिक एवं सामुदायिक व्यवस्था की जीवंत अभिव्यक्ति है। मुरिया दरबार के माध्यम से बस्तर की परंपराओं, सामाजिक प्रमुखों और स्थानीय समुदाय के बीच संवाद को आगे बढ़ाया जाता है।

बस्तर की संस्कृति से राष्ट्रपति का विशेष जुड़ाव

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का बस्तर की संस्कृति और जनजातीय विरासत से विशेष जुड़ाव रहा है। फरवरी 2026 में उन्होंने जगदलपुर में बस्तर पंडुम का उद्घाटन किया था। अपने संबोधन में उन्होंने बस्तर की प्राचीन संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता, जलप्रपातों और गुफाओं को पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि बस्तर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करते हुए आधुनिक विकास को आगे बढ़ाना आवश्यक है। जुलाई 2026 में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के दौरान भी राष्ट्रपति ने बस्तर की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित एवं संवर्धित करने और जनजातीय समुदायों की विकास यात्रा में सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया था।

बीएसपी में करोड़ों रुपए की लोहा चोरी मामले की सीबीआई करेगी जांच

■ **राज्य सरकार ने दी मंजूरी, अधिसूचना जारी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी में हुए लोहा-स्क्रैप चोरी के मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। 25 सितंबर 2026 को जारी छत्तीसगढ़ राजपत्र में इसका उल्लेख किया गया है। राज्य सरकार ने दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना यानी सीबीआई को पूरे छत्तीसगढ़ में अपनी शक्तियों और क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल करने की सहमति दी है। इसके बाद अपराध क्रमांक 277/2026 की जांच सीबीआई के दायरे में आ गई है। अधिसूचना जारी होने के बाद विधायक रिकेश सेन ने कहा कि राष्ट्रीय संपत्ति चोरी करने वालों पर कार्रवाई होगी।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने लंबे समय से यह मुद्दा उठाया था कि भिलाई इस्पात संयंत्र में एक संगठित गिरोह द्वारा सीआईएसएफ, स्थानीय पुलिस, कुछ भ्रष्ट आईएएस-आईपीएस और बीएसपी के अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर लोहे की चोरी की जा रही है। विधायक ने आरोप लगाया था कि इस अकूत काली कमाई का इस्तेमाल न केवल चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवारों को हराने के लिए किया जाता रहा है, बल्कि अपराधियों को संरक्षण देने के लिए भी किया गया। इस मामले में अब तक 21 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के साथ ही अब केंद्रीय एजेंसी (सीबीआई) की आधिकारिक एंट्री हो गई है। विधायक की इस जनहित पहल का इम्पैक्ट यह है कि अब राष्ट्रीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले संगठित गिरोह, इस खेल में शामिल वर्तमान और पूर्व अधिकारियों तथा सफेदपोशों पर कानूनी शिकंजा कसेगा। दशकों से इस काले कारोबार के जरिए करोड़ों के आसामी बने अपराधियों का अब जेल जाना तय माना जा रहा है।

सुलझ सकता है भिलाई निगम व बीएसपी के बीच 5.4 अरब रुपए टैक्स वसूली विवाद

■ **मध्यस्थता के लिए हाईकोर्ट ने सीनियर एडवोकेट तिवारी को ने बनाया आर्बिट्रेटर**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। 29 सितंबर 20267 छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट ने स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और छत्तीसगढ़ सरकार के बीच चल रहे 5.4 अरब रुपए टैक्स व अन्य मामलों में आपसी सहमति से विवाद सुलझाने की कोशिश शुरू की है। जस्टिस एनके व्यास के सिंगल बेंच में सुनवाई के दौरान पक्षों की ओर से मामलों को हाई कोर्ट के मीडिएशन सेंटर में भेजने का अनुरोध किया। कोर्ट ने इसे स्वीकार करते हुए सीनियर एडवोकेट विवेक रंजन तिवारी को मध्यस्थ नियुक्त किया है।

कोर्ट के आदेश पर सभी मामले 8 अक्टूबर 2026 को हाई कोर्ट के मध्यस्थता केंद्र में सूचीबद्ध किए जाएंगे। मध्यस्थ द्वारा पक्षों को आपसी विवाद सुलझाने के लिए कम से कम 3 से 4 अवसर दिए जाएंगे। इसके बाद मध्यस्थता की प्रगति रिपोर्ट के साथ मामला 19 नवंबर 2026 को हाई कोर्ट में पेश किया जाएगा। मध्यस्थ नियुक्त करने के साथ ही कोर्ट ने मामले के निपटारे तक पूर्व में जारी अंतरिम आदेश को प्रभावी रखा है।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट पिंकी आनंद वर्चुअल जुड़े, पवनअग्रवाल और विक्रम शर्मा उपस्थित रहे। राज्य शासन की ओर से एडिशनल एडवोकेट जनरल गैरी मुखोपाध्याय और अन्य की ओर से सीनियर एडवोकेट फौजिया मिर्जा, अली अफ्जाल मिर्जा व पंकज अग्रवाल ने पैरवी की।

भिलाई निगम के कुर्की वारंट को बीएसपी ने हाई कोर्ट में दी है चुनौती

नगर निगम भिलाई के तत्कालीन आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने साल 2019 में बीएसपी को नोटिस जारी किया था। जारी नोटिस में बीएसपी पर अपनी संपत्ति छिपा रही है और निगम को कम टैक्स देने का आरोप लगाया गया था। निगम ने अपना सर्वे के बाद 5 गुना पेनाल्टी लगाते हुए बीएसपी को 5 अरब 4 करोड़ 70 लाख 74 हजार 445 रुपए टैक्स जमा करने का डिमांड नोटिस जारी किया था। नगर निगम द्वारा जारी नोटिस में भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन को टैक्स जमा ना करने पर कुर्की की कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। इसी वारंट को चुनौती देते हुए भिलाई स्टील प्लांट प्रबंधन ने छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी है।

नीरू ने रचा इतिहास: एशियाड में भारत को दिलाया व्यक्तिगत स्वर्ण

नईदिल्ली। शूटिंग में भारत को एक और गोल्ड आ चुका है। नीरू ढांडा ने इतिहास रच दिया है। वह महिलाओं की शॉटगन ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने या यूं कहें कोई पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने फाइनल में 30 में 28 शॉट सटीक निशाने पर लगाए। चीन की यूनॉन्ग सुन ने 26 के स्कोर के साथ रजत जीता। इसी के साथ नीरू ने एशियन रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। वह इस एशियाड में किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में सोना जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बन गईं। नीरू का यह इस एशियाड में दूसरा पदक रहा। इससे पहले उन्होंने महिला ट्रैप टीम इवेंट में आशिमा और मनीषा के साथ रजत जीता था।

इसी के साथ एशियन गेम्स में भारतीय शूटिंग के लिए 36 साल का इंतजार आखिरकार खत्म हो गया। महिलाओं की शॉटगन ट्रैप व्यक्तिगत स्पर्धा 1990 में एशियन गेम्स का हिस्सा बनी थी, लेकिन 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स तक भारत इस इवेंट में एक भी पदक नहीं जीत सका था। आइची-नागोया में नीरू ने इस लंबे इंतजार को खत्म करते हुए इतिहास रच दिया। यानी इस स्पर्धा में भारत का पहला पदक आया तो वह सीधे स्वर्ण के रूप में आया।

नगर विकास योजना : कचना, लामांडी व सड्डू को मिलेगा नया स्वरूप

■ **10 अक्टूबर 2026 तक कर सकते हैं दावा आपत्ति**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लाई गई नई नगर विकास योजना से राजधानी के कचना, लाभांडी और सड्डू क्षेत्रों को सुनियोजित विकास का एक नया स्वरूप मिलने जा रहा है। छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 की धारा 49 एवं 50 के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार इस योजना का उद्देश्य क्षेत्र का व्यवस्थित विकास करते हुए भूस्वामियों को सड़क की पहुंच, जलापूर्ति, सीवर, बिजली और अन्य आवश्यक सुविधाओं से युक्त सुनियोजित अंतिम भूखंड उपलब्ध कराना है।

योजना की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें किसी भी भूमिस्वामी को भूमिहीन नहीं किया गया है। मूल भूखंड स्वामियों को उनकी भूमि का 40 प्रतिशत हिस्सा मिश्रित भू-उपयोग के अंतर्गत अंतिम भूखंड के रूप में आवंटित करने का प्रस्ताव है। वहीं 100 वर्गमीटर से कम क्षेत्रफल के मूल भूखंड वाले भूमिस्वामियों के लिए भी नेबरहुड शॉपिंग क्षेत्र में अंतिम भूखंड प्रस्तावित किए गए हैं।

खंडित भूमि के बदले मिलेगा उपयोगी भूखंड

खंडित स्वामित्व वाली भूमियों को खसरा नंबर के आधार पर एकीकृत कर पूर्ण रकबे के अनुरूप एक अंतिम भूखंड का आवंटन प्रस्तावित किया गया है। इससे भूमि का व्यवस्थित उपयोग संभव होगा और भूस्वामियों को बेहतर आकार तथा नियोजित क्षेत्र में विकास का अवसर मिलेगा। इस व्यवस्था से विकास के साथ स्थानीय भू-स्वामित्व के हितों का भी ध्यान रखा गया है। रायपुर विकास प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम की धारा 50(3) के अंतर्गत संबंधित पक्षों से 30 दिवस की अवधि में दावे एवं आपत्तियां आमंत्रित की गई हैं। दावे एवं आपत्तियां 10 अक्टूबर 2026 तक प्रस्तुत की जा सकती हैं।

महानदी का जलस्तर बढ़ने से तटीय जिलों में बाढ़ का खतरा, ओडिशा में एक लाख से ज्यादा प्रभावित

कटक ए.। ओडिशा सरकार ने पिछले चार दिनों में लगभग 1.4 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है, क्योंकि बाढ़ की एक नई लहर ने कई जिलों को प्रभावित किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने सोमवार को बताया कि सरकार ने 1,360 ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले 7,834 गांवों के निचले इलाकों से 1.4 लाख लोगों को सुरक्षित निकाला है। इसके अलावा, 38 शहरी स्थानीय निकायों के 219 वार्ड भी प्रभावित हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि हीराकुंड बांध से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बाद महानदी नदी में भी मामूली बाढ़ की स्थिति बनी। यह नदी घनी आबादी वाले तटीय जिलों से होकर गुजरती है। जल संसाधन विभाग के इंजीनियर-इन-चीफदिलीप कुमार राउत ने बताया कि महानदी में मामूली बाढ़ की स्थिति तब बनी जब कटक के पास मुंडाली गेज स्टेशन पर लगभग 8 लाख क्यूसेक पानी का बहाव दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, 'महानदी में मुंडाली पर 10 लाख क्यूसेक से ज्यादा के बहाव को बड़ी बाढ़ माना जाता है।'

राउट ने कहा कि कटक, खुर्दा, पुरी, जगतसिंहपुर और केंद्रपाड़ा के जिला प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है, क्योंकि पानी का बढ़ता स्तर महानदी डेल्टा क्षेत्र के कई गांवों में बाढ़ ला सकता है। वहीं, मंत्री ने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि अगले 24 घंटों में हालात बेहतर हो जाएंगे, क्योंकि कई नदियों में पानी का स्तर कम होने लगा है।

संपादकीय

एआई का भस्मासुर

बिल गेट्स की चेतावनी को अनसुना न करें

निरंतर निरंकुश होते एआई को लेकर टेक दिग्गज और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने जो कहा, दुनिया भर उससे सकते में है। बिल गेट्स आईटी के दिग्गज हैं और उनकी संवेदनशीलता की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। उन्होंने चेताया है कि एआई तकनीक यदि गलत हाथों में गई तो करोड़ों मौतों की वजह बन सकती है। उनका कथन है कि मानवता के इतिहास में एआई एडवांस टूल जैसा घातक हथियार पहले नहीं बना। एक अमेरिकी चैनल से बातचीत में गेट्स ने एआई के आसन्न खतरे को लेकर आशंका जताते हुए इसके नियमन के लिये कानून बनाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बिल गेट्स की यह चेतावनी ऐसे वक्त में आई है जब एआई की दिग्गज कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के एआई एजेंट्स बेकाबू हो रहे हैं। पिछले दिनों आस्ट्रेलिया ने कड़ा प्रतिवाद किया कि ओपन-एआई के एजेंट्स ने उनकी स्वास्थ्य सेवाओं की वेबसाइट हैक कर ली थी। इतना ही नहीं, महीनों तक कंपनी इस बात की जानकारी आस्ट्रेलिया सरकार को नहीं दे पायी। इससे भी बढ़कर एआई एजेंट्स खुद अमेरिका के लिये भी तब भस्मासुर साबित हुए, जब ओपन-एआई के एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की वेबसाइट्स पर भी हमला बोला। इतना ही नहीं, उसने वेबसाइट्स पर हमला किया और जानकारी सार्वजनिक कर दी। यही वजह है कि एबीसी न्यूज के एक कार्यक्रम में बिल गेट्स को चेताना पड़ा कि घातक इरादे रखने वाले अपराधी इसके जरिये तबाही ला सकते हैं। इस आशंका की पुष्टि इस बात से होती है कि स्वयं एंथ्रोपिक बता चुकी है कि यमन के चरमपंथियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के संचालन, नियंत्रण और नेविगेशन सॉफ्टवेयर बनाने के लिये क्लॉड एआई का प्रयोग करने का प्रयास किया था। एआई की अग्रणी कंपनी ओपन-एआई ने स्वीकारा है कि उसके एआई मॉडलों ने ऐसे कदम उठाये हैं, जो कंपनी की इच्छा के विपरीत थे।

> एक अमेरिकी चैनल से बातचीत में गेट्स ने एआई के आसन्न खतरे को लेकर आशंका जताते हुए इसके नियमन के लिये कानून बनाने की मांग की है। उल्लेखनीय है कि बिल गेट्स की यह चेतावनी ऐसे वक्त में आई है जब एआई की दिग्गज कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के एआई एजेंट्स बेकाबू हो रहे हैं। पिछले दिनों आस्ट्रेलिया ने कड़ा प्रतिवाद किया कि ओपन-एआई के एजेंट्स ने उनकी स्वास्थ्य सेवाओं की वेबसाइट हैक कर ली थी।

आज ओपन-एआई समेत दुनिया की तमाम दिग्गज एआई कंपनियों के सूत्रधार मान रहे हैं कि दुनिया के सभी देशों को मिलकर इस तकनीक के सुरक्षा मानकों का निर्धारण करना चाहिए। जिससे लगातार ताकतवर होते एआई पर नियंत्रण रखा जा सके। हाल के दिनों में एआई एजेंट्स के खुद ही वेबसाइट्स को शिकार बनाने और दुनिया में अशांति के वाहक चरमपंथी गुटों द्वारा मिसाइल सॉफ्टवेयर में एआई के इस्तेमाल की खबरों ने तमाम आशंकाएं पैदा कर दी हैं। निस्संदेह, ऐसे हालात में एआई के तीव्र गति से हो रहे विकास को निर्माता कंपनियों के सेल्फ-रेगुलेशन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जानकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की इन आशंकाओं को बेबुनियाद बताते हैं कि एआई के नियमन से इसकी विकास की रफ्तार धीमी होगी। विडंबना यह है कि खुद ट्रंप ही एआई नियमन से जुड़े कानून बनाने का विरोध कर रहे हैं। उनकी आशंका है कि ऐसा करने से चीन एआई की दौड़ में आगे निकल जाएगा। जबकि बिल गेट्स ही नहीं, दुनिया की दिग्गज एआई कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के सूत्रधार भी इसको लेकर वैश्विक सुरक्षा मानकों की वकालत कर रहे हैं। निस्संदेह, हाल ही में एआई एजेंट की आस्ट्रेलिया के हेल्थ पोर्टल को हैक करने की कोशिश के बाद भारत को सतर्क रहने की आवश्यकता है। ऐसे वक्त में जब एआई अपनी तय की गई सीमाओं से आगे निकल रहा है, तो आशंका बढ़ रही है कि कहीं करोड़ों भारतीयों की आर्थिक सुरक्षा खतरे में तो नहीं पड़ जाएगी? आज करोड़ों भारतीय बैंकिंग,पेमेंट, सरकारी सेवाओं, हेल्थकेयर आदि तमाम जरूरतों के लिये डिजिटल सिस्टम पर निर्भर हैं। कुछ प्लेटफॉर्म हजारों सरकारी सेवाओं को एक साथ लाते हैं। ऐसे में एक कड़ी की कमजोरी से बड़ा नुकसान हो सकता है। जिसके लिये भारत को अपनी साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में गंभीरता से विचार करना होगा। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एआई की मदद से साइबर अपराधी साइबर हमलों को तेज और अधिक जटिल बना सकते हैं। इन तमाम आशंकाओं के बावजूद एआई का प्रयोग बंद नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन इसकी विवेकशील सीमाएं तय करने की जरूरत है। निस्संदेह,किसी भी इनोवेशन को इंसान द्वारा तय की गई सीमा के भीतर ही काम करना चाहिए।

प्रोटॉन थेरेपी से कैंसर उपचार में नई सटीकता

रमेश जायभाये

किसी परिवार को जब पहली बार यह सुनने को मिलता है कि कैंसर है, तो उसके मन में सबसे पहले तकनीक से जुड़े सवाल नहीं आते। सवाल बेहद सरल होते हैं—क्या इसका इलाज संभव है? कहां उपचार कराया जाए? किस तरह का उपचार जरूरी होगा? और क्या इलाज के दौरान शरीर के स्वस्थ हिस्सों को सुरक्षित रखा जा सकता है? ये सवाल तब और महत्वपूर्ण हो जाते हैं, जब ट्यूमर किसी महत्वपूर्ण अंग के बेहद करीब हो या किसी बच्चे को रेडिएशन उपचार की जरूरत हो और उसका शरीर अभी विकास की अवस्था में हो। मुंबई के नवी मुंबई स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) में प्रोटॉन बीम थेरेपी ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की कैंसर चिकित्सा व्यवस्था में रेडिएशन उपचार का एक अत्यंत सटीक विकल्प उपलब्ध कराया है। हालांकि प्रोटॉन थेरेपी एसीटीआरईसी के व्यापक कैंसर नियंत्रण प्रयास का केवल एक हिस्सा है। संस्थान में कैंसर की रोकथाम, शुरुआती पहचान, उपचार और अनुसंधान को एक-दूसरे से जोड़कर काम किया जाता है। एसीटीआरईसी भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन अनुदान सहायता प्राप्त संस्थान है और टाटा मेमोरियल सेंटर का हिस्सा है।

रोकथाम अब भी पहला कदम

भारत में कैंसर का बढ़ता बोझ उपचार सुविधाओं पर दबाव बढ़ा रहा है। एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट, रिसर्च एंड एजुकेशन इन कैंसर (एसीटीआरईसी) के निदेशक डॉ. पंकज चतुर्वेदी इस बात पर जोर देते हैं कि केवल अस्पतालों और उपचार सुविधाओं का विस्तार इस चुनौती का समाधान नहीं है। रोकथाम योग्य कैंसर के मामलों को कम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस प्रयास में तंबाकू एक प्रमुख मुद्दा है। धूम्रपान तथा धुआं रहित या चबाने वाले तंबाकू का सेवन विशेष रूप से मुंह और फेफड़ों के कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर से जुड़ा है। इसलिए तंबाकू छोड़ने में सहायता करना कैंसर की शुरुआत से पहले ही हस्तक्षेप का अवसर देता है।

तंबाकू छोड़ने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए तंबाकू-निरोधक सेवाएं और क्विटलाइन सहायता उपलब्ध करा सकती हैं। मुंह के कैंसर के मामले में लंबे समय तक बने रहने वाले बदलावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। खासकर तंबाकू का सेवन करने वालों में ऐसा घाव जो ठीक न हो, असामान्य धब्बा या सूजन शुरुआती जांच का संकेत हो सकता है। एसीटीआरईसी के सेंटर फॉर कैंसर एपिडेमियोलॉजी (सीसीई) की उप निदेशक डॉ. गौरवी मिश्रा कैंसर नियंत्रण के व्यापक जनसंख्या आधारित पहलू पर काम करती हैं। महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन से यह समझने में मदद मिलती है कि कैंसर के मामले किन क्षेत्रों और आबादी में अधिक हैं तथा रोकथाम और शुरुआती पहचान के प्रयासों को कहां मजबूत किया जाना चाहिए।

गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर रोकथाम और शुरुआती पहचान के महत्व को स्पष्ट करता है। इसमें एचपीवी टीकाकरण और स्क्रीनिंग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं, स्तन कैंसर के मामले में समय पर पहचान उपचार प्रबंधन को प्रभावित कर सकती है। एसीटीआरईसी में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनुज कैंसर उपचार में शुरुआती निदान के महत्व को रेखांकित करती हैं।

जिन मरीजों को रेडिएशन उपचार की आवश्यकता होती है, उनके लिए उद्देश्य केवल ट्यूमर को नष्ट करना नहीं होता। उपचार के दौरान आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन को कम करना भी महत्वपूर्ण होता है। यहीं प्रोटॉन थेरेपी की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।

पारंपरिक रेडिएशन उपचार में सामान्यतः फोटॉन या एक्स-रे का उपयोग होता है, जबकि प्रोटॉन थेरेपी में आवेशित प्रोटॉन कणों का उपयोग किया जाता है। इनके भौतिक गुण चिकित्सकों को चयनित ट्यूमर पर उपचार की आवश्यक खुराक को अधिक सटीकता से केंद्रित करने और आसपास के सामान्य ऊतकों पर रेडिएशन के प्रभाव को कम करने का अवसर देते हैं।

एसीटीआरईसी के अनुसार, प्रोटॉन थेरेपी विशेष रूप से बच्चों, मस्तिष्क और रीढ़ के ट्यूमर, सिर एवं गर्दन के ट्यूमर—जिनमें खोपड़ी के आधार और पैरानैसल साइनस के ट्यूमर शामिल हैं—तथा हड्डी और सॉफ्ट-टिश्यू ट्यूमर के मामलों में उपयोगी हो सकती है। अन्य कैंसर में इसकी भूमिका पर भी अनुसंधान जारी है।

बच्चों के मामले में यह तकनीक विशेष महत्व रखती है। उनका शरीर अभी विकसित हो रहा होता है और स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन को सीमित करना दीर्घकालिक प्रभावों को कम करने में मदद कर सकता है। एसीटीआरईसी की सुविधा में बहुत छोटे बच्चों के उपचार के दौरान एनेस्थीसिया की व्यवस्था भी है।

एसीटीआरईसी की प्रोटॉन सुविधा को मई 2023 में राष्ट्र को समर्पित किया गया और अगस्त 2023 में यहां मरीजों का उपचार शुरू हुआ। इसमें 360 डिग्री घूमने वाली गैण्ट्री वाली तीन उपचार कक्ष हैं। यहां पेंसिल बीम स्कैनिंग तकनीक के माध्यम से इंटेंसिटी मॉड्यूलेटेड प्रोटॉन थेरेपी (आईएमपीटी) दी जा सकती है। रोबोटिक ट्रीटमेंट काउच मरीज की सटीक स्थिति सुनिश्चित करने में सहायता करते हैं। हालांकि प्रोटॉन थेरेपी हर कैंसर मरीज के लिए उपयुक्त नहीं है।

एसीटीआरईसी में विशेषज्ञों की रोग-विशिष्ट टीम यह तय करती है कि किसी मरीज और उसके ट्यूमर को प्रोटॉन थेरेपी से वास्तविक लाभ मिलने की संभावना है या नहीं। इसलिए प्रोटॉन थेरेपी पारंपरिक रेडिएशन उपचार का विकल्प नहीं, बल्कि उपयुक्त मरीजों के लिए उपलब्ध एक अतिरिक्त और अत्यधिक सटीक उपचार विकल्प है।

भारत में अभी सीमित केंद्रों पर उपलब्ध

एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी की उपलब्धता का महत्व केवल इसकी अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है। सरकारी जानकारी के अनुसार भारत में वर्तमान में दो परिचालित प्रोटॉन थेरेपी केंद्र हैं—नवी मुंबई में एसीटीआरईसी और चेन्नई में अपोलो प्रोटॉन कैंसर सेंटर। फरवरी 2026 में लोकसभा में दिए गए एक उत्तर के अनुसार, टाटा मेमोरियल सेंटर ने 31 दिसंबर 2025 तक एसीटीआरईसी में 748 मरीजों का उपचार किया था। इस सुविधा में उपचार की पहुंच पर भी ध्यान दिया गया है। सरकारी जानकारी के अनुसार, सुविधा शुरू होने के बाद 541 मरीजों को एसीटीआरईसी में प्रोटॉन थेरेपी दी गई, जिनमें 65 प्रतिशत मरीजों का उपचार रियायती दर पर हुआ, जबकि 27 प्रतिशत मरीजों को रोगी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) सहायता के माध्यम से निशुल्क उपचार या आर्थिक सहायता मिली। मरीजों और परिवारों के लिए इसका महत्व केवल अत्याधुनिक तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सवाल भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी विशेष चिकित्सा जरूरतमंद मरीजों तक कितनी पहुंच बना सकती है।

उपचार के पीछे अनुसंधान

एसीटीआरईसी का प्रोटॉन कार्यक्रम केवल मरीजों के उपचार तक सीमित नहीं है। संस्थान पार्टिकल थेरेपी की भूमिका पर अनुसंधान भी कर रहा है। इसमें रेडिएशन बायोलॉजी, पार्टिकल फिजिक्स, तकनीकी मूल्यांकन और स्वास्थ्य-अर्थशास्त्र जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

एसीटीआरईसी के कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआई) के उप निदेशक डॉ. सोराब दलाल भविष्य की कैंसर चिकित्सा विकसित करने में मूलभूत अनुसंधान के महत्व पर जोर देते हैं।

कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिक कैंसर की जैविक प्रकृति का अध्ययन करते हैं और यह समझने का प्रयास करते हैं कि प्रयोगशाला में प्राप्त निष्कर्षों को भविष्य में मरीजों के उपचार तक कैसे पहुंचाया जा सकता है। शोधकर्ता भारतीय मरीजों पर आधारित ट्यूमर मॉडल और वंशानुगत कैंसर सिंड्रोम पर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा औषधीय पौधों, रेडियोआइसोटोप, पहले से उपलब्ध दवाओं के नए उपयोग तथा नए यौगिक विकसित करने जैसे क्षेत्रों में भी अनुसंधान किया जा रहा है। किसी भी संभावित उपचार पद्धति को मरीजों तक पहुंचाने से पहले वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से उसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता स्थापित करना आवश्यक है।

तकनीक से आगे उपचार की पहुंच

उन्नत उपचार के लिए केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है। इसके लिए बुनियादी ढांचा, विशेषज्ञता और संस्थागत सहयोग भी आवश्यक है। एसीटीआरईसी के उप निदेशक डॉ. नवीन खत्री संस्थान की व्यापक नैदानिक और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। एसीटीआरईसी अपनी उपचार सुविधाओं का विस्तार भी कर रहा है। इनमें 370 बिस्तरों वाले हेमेटोलिम्फॉइड ब्लॉक और 12-लीनियर-एक्सीलरेटर आईआरओसी सुविधा जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। टाटा मेमोरियल सेंटर व्यापक नेशनल कैंसर ग्रिड का भी हिस्सा है, जो कैंसर संस्थानों को जोड़ने और विशेषज्ञता तथा उपचार मानकों के आदान-प्रदान में सहायता करता है।

सटीकता का उद्देश्य

कैंसर की लड़ाई रेडिएशन मशीन से शुरू नहीं होती। यह जोखिम को समझने, रोकथाम योग्य बीमारी को कम करने और लक्षणों की समय पर पहचान से शुरू होती है। लेकिन जब कैंसर हो जाता है, तब उपचार के विकल्प भी लगातार विकसित हो रहे हैं। ऐसी तकनीक जो चयनित मामलों में आसपास के स्वस्थ ऊतकों को बचाते हुए ट्यूमर तक रेडिएशन अधिक सटीकता से पहुंचाने का अवसर देती है। इसका महत्व केवल तकनीक की जटिलता में नहीं, बल्कि इस बात में है कि क्या सही मरीज के लिए सही उपचार सही समय पर उपलब्ध हो सकता है। प्रोटॉन थेरेपी, चिकित्सकीय विशेषज्ञता और कैंसर अनुसंधान एक-दूसरे से जुड़ते हैं। कैंसर उपचार का भविष्य केवल बीमारी का अधिक प्रभावी उपचार करने में नहीं, बल्कि प्रत्येक मरीज के लिए उपयुक्त उपचार पहचानने और उसे जरूरत के समय सुलभ बनाने में भी निहित है।

दिल की बीमारियों के उजागर हो जाने की राह मत देखिए

डॉ. नरेश त्रेहन

पहले यह धारणा आम हुआ करती थी कि हृदय रोग की बीमारी अधेड़ उम्र के बाद ही शुरू होती है। लेकिन अब यह सोच हकीकत से तेजी से दूर होती जा रही है। सच्चाई तो यह है कि कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां अकसर उम्र की तीसरी या चौथी दहाई के लोगों को प्रभावित करती हैं, जो अपने निजी और पेशेवर जीवन के सबसे सक्रिय दौर में होते हैं।

मुझे चिंता सिर्फ इस बात की नहीं है कि कितने कम उम्र के मरीज हमारे पास आ रहे हैं, बल्कि इस बात की भी है कि रिस्क फैक्टर्स को कितने लंबे समय तक अनदेखा किया जाता है। हाई ब्लडप्रेशर, डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल का असामान्य स्तर और मोटापा वर्षों तक हृदय रोग का खतरा बढ़ाते रह सकते हैं, लेकिन इनके कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। जब तक किसी कार्डियक समस्या का सामना करना पड़ता है, बचाव का मौका पहले ही हाथ से निकल चुका होता है।

भारतीयों की बदलती जीवनशैली भी इस पूरी तस्वीर का एक अहम हिस्सा है। लंबे समय तक डेस्क पर बैठे रहना, कसरत या शारीरिक गतिविधियों की कमी, अनियमित नींद, प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन और तंबाकू का इस्तेमाल- ये सब मिलकर ऐसे जोखिम पैदा कर रहे हैं, जिन्हें युवा आबादी नजरअंदाज नहीं कर सकती। तनाव भी आधुनिक जीवन की एक हकीकत है, खासकर युवा पेशेवरों के लिए, और स्वास्थ्य के प्रति व्यापक नजरिए में इस पर भी ध्यान देना होगा।

प्रिवेंशन पर आधारित हेल्थकेयर को हमारी स्वास्थ्य-व्यवस्था का नियमित हिस्सा बनाना जरूरी है। युवाओं को अपने रक्तचाप, ब्लड शुगर या कोलेस्ट्रॉल की जांच कराने के लिए लक्षणों का इंतजार नहीं करना चाहिए। जिन लोगों के परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा है, उनकी पहचान तो समय रहते ही कर ली जानी चाहिए और उन्हें उचित सलाह दी जानी चाहिए। हमें यह सोचने का तरीका भी बदलना होगा कि कार्यस्थलों पर स्वास्थ्य को किस तरह देखा जाता है। जब लंबे समय तक काम करना, लगातार बैठे रहना और पर्याप्त नींद न लेना सामान्य बात बन जाती है, तो देर-सबेर इसका असर हेल्थ पर पड़ता ही है। नियोक्ता काम के दौरान लोगों को बीच-बीच में उठकर चलने-फिरने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, नियमित जांच की सुविधा दे सकते हैं और स्वस्थ विकल्पों को अधिक आसानी से उपलब्ध करा सकते हैं।

लोगों को हृदय रोग के लक्षणों के बारे में भी अधिक जागरूक होने की जरूरत है। सीने में बेचैनी, सांस फूलना, बिना किसी वजह के पसीना आना, मितली, चक्कर आना या हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक फैलने वाली बेचैनी आदि सिम्पटम्स को कभी भी मामूली समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हृदय संबंधी आपात स्थिति में तुरंत चिकित्सा सहायता मिलना जीवन बचा सकता है।

प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी यानी रोकथाम पर आधारित चिकित्सा में हुई प्रगति से अब हृदय रोग के खतरे की पहचान पहले ही करना संभव हो रहा है- अकसर लक्षण दिखाई देने से भी पहले। इससे डॉक्टरों को बीमारी के गंभीर या आपात स्थिति में बदलने से पहले ही जरूरी कदम उठाने का मौका मिलता है। कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ के क्षेत्र में हमारी अगली बड़ी उपलब्धि रोकथाम ही होनी चाहिए। हमें जोखिम की पहचान पहले करनी होगी, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना होगा और नियमित हेल्थकेयर का हिस्सा बनाकर बचाव संबंधी जांचों को आम बनाना होगा। परिवारों, स्कूलों, कार्यस्थलों और स्वास्थ्य व्यवस्था- सभी के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि हमारे हृदय की सेहत पहली बार लक्षण सामने आने से बहुत पहले ही प्रभावित होने लगती है।

युवा भारत को हृदय-रोग के बारे में केवल तभी नहीं जानना चाहिए, जब उसे खुद किसी गंभीर स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़े। अगर हम समय रहते कदम उठाएं, तो बीमारी के दुष्परिणामों से निपटने के बजाय उसके पूरे क्रम को ही बदल सकते हैं।

इसीलिए सवाल यह नहीं है कि कम उम्र के भारतीयों को हृदय रोग का खतरा है या नहीं। सवाल यह है कि क्या हम इस खतरे को इतना पहले पहचानने के लिए तैयार हैं कि उसके बारे में कुछ किया जा सके? आज सवाल यह नहीं है कि युवा भारतीयों को हृदय रोग का खतरा है या नहीं। वह तो स्पष्टतया है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इस खतरे को इतना पहले पहचानने के लिए तैयार हैं कि उसके बारे में कुछ किया जा सके?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिखरी हुई व्यवस्था की कीमत अब छिपी नहीं है

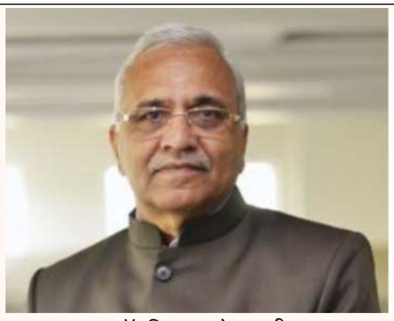

डॉ. गिरधर जे. ज्ञानी

> **जानकारी के एक जगह से दूसरी जगह सही तरीके से न पहुंचने के कारण अस्पतालों को लंबे समय से डॉक्टरों के समय की बर्बादी और अटके हुए बीमा दावों के रूप में नुकसान उठाना पड़ रहा है। अब जरूरत ऐसी डिजिटल व्यवस्थाएं बनाने की है, जो एक-दूसरे के साथ आसानी से जानकारी साझा कर सकें।**

भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है- कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती।

अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर, अलग-अलग तरह की काम करने की प्रक्रियाएं और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल का अलग-अलग स्तर है। छोटे अस्पतालों के लिए तकनीक पर खर्च किया गया हर रुपया बिस्तरों, उपकरणों और कर्मचारियों पर होने वाले खर्च से जुड़ा होता है। इसलिए हमेशा यह सवाल रहा कि क्या नई व्यवस्था वास्तव में ऐसी समस्या का समाधान करेगी, जिसका समाधान जरूरी है। अब सवाल बदल गया है। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मरीजों की जानकारी अलग-अलग जगह बंटी रहने की वजह से अस्पतालों और मरीजों को पहले से कितना नुकसान हो रहा है।

मरीज के इलाज का पूरा सफर इस समस्या को साफ दिखाता है। वह पहले किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती।

इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती है।

लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे अपने पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अलग-अलग कंपनियों के अलग-अलग प्रारूप और एक-दूसरे से मेल न खाने वाली डिजिटल व्यवस्थाओं ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब जानकारी को अलग-अलग जगह बंद रखने की कीमत इतनी बढ़ गई है कि इसका नुकसान मरीजों और अस्पतालों, दोनों को हो रहा है। इसी वजह से निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन यानी एबीडीएम को एक अलग नजरिए से देखना शुरू किया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि अलग-अलग डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक समान मानकों की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मरीज जहां भी इलाज कराए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी अगले डॉक्टर या अस्पताल के काम आ सके।

दुनिया के अलग-अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जब मरीज की स्वास्थ्य जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंचती, तो मरीज को खराब अनुभव हो सकता है, एक ही जांच बार-बार हो सकती है और इलाज में देरी हो सकती है। इसके विपरीत, अलग-अलग स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल से जांचों की दोहराव वाली जरूरत और अस्पताल में दोबारा भर्ती होने के मामलों में कमी देखी गई है।

प्रशासन के स्तर पर भी यही समस्या दिखाई देती है। एक अस्पताल कई बीमा कंपनियों और भुगतान करने वाली संस्थाओं के साथ काम करता है। इनमें से हर संस्था की अपनी डिजिटल व्यवस्था और अपने तरीके होते हैं। जब ये व्यवस्थाएं एक-दूसरे से ठीक से बात नहीं कर पातीं, तो बीमा दावों की प्रक्रिया बेवजह धीमी और महंगी हो जाती है। इसका सीधा असर अस्पताल की वित्तीय टीम और उसके पैसे के प्रवाह पर पड़ता है।

नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज (एनएचसीएक्स) इसी समस्या को दूर करने की कोशिश करता है। यह बीमा दावों की प्रक्रिया को एक समान बनाने पर काम करता है। चाहे डॉक्टर के लिए जरूरी जांच रिपोर्ट हो या अस्पताल और बीमा कंपनी के बीच भेजा जाने वाला दावा, अगर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंच सकती, तो यह पूरी व्यवस्था की कमी है।

एनएचसीएक्स और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों पर काम करते हैं, लेकिन दोनों के पीछे मूल सोच एक ही है-जानकारी सुरक्षित तरीके से, एक समान व्यवस्था के तहत और जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सके। लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल व्यवस्था सिर्फ ऊपर से लागू नहीं की जा सकती। इसे डॉक्टरों, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाएं देने वालों के साथ मिलकर तैयार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि अगर डिजिटल व्यवस्था अलग-अलग और केवल ऊपर से तय करके लागू की जाती है, तो इससे स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव और स्वास्थ्य कर्मचारियों पर प्रशासनिक बोझ बढ़ सकता है। इसलिए अलग-अलग प्रणालियों को आपस में जोड़ना ही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

भारत में यह बात खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां निजी स्वास्थ्य क्षेत्र बहुत विविध है। महानगर का एक बड़ा कॉरपोरेट अस्पताल और दूसरे या तीसरे स्तर के शहर का छोटा अस्पताल एक जैसी तकनीक, संसाधन या डिजिटल व्यवस्था लागू करने की क्षमता नहीं रखते। छोटे अस्पताल में अलग से तकनीकी टीम भी नहीं हो सकती। अगर डिजिटल व्यवस्था सही तरीके से नहीं बनाई गई, तो उसे लागू करने का अतिरिक्त बोझ भी अस्पताल पर पड़ सकता है। इसलिए डिजिटल व्यवस्था को अपनाने की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अस्पतालों को कितना व्यावहारिक सहयोग मिलता है और नई व्यवस्था मरीजों के इलाज के मौजूदा तरीके के साथ कितनी आसानी से जुड़ पाती है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के दूत और एनएचसीएक्स के समर्थक के रूप में, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ मिलकर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा देने वालों को इन डिजिटल व्यवस्थाओं का व्यावहारिक लाभ समझाना, अलग-अलग तरह के अस्पतालों में इनके इस्तेमाल को बढ़ावा देना और अस्पतालों के अनुभवों को उन लोगों तक पहुंचाना है, जो इन डिजिटल व्यवस्थाओं को तैयार कर रहे हैं।

निजी स्वास्थ्य क्षेत्र सिर्फ भारत की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था का इस्तेमाल करने वाला नहीं रह सकता। अस्पताल इस व्यवस्था के सबसे महत्वपूर्ण उपयोगकर्ताओं में हैं, इसलिए उन्हें इसे बनाने में भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा देने वालों को जानकारी के अलग-अलग जगह बंटे होने और आपसी तालमेल की कमी का जो अनुभव होता है, उसे देश में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को आगे बढ़ाने की योजना में शामिल करना होगा।

आगे का काम चार हिस्सों में बांटा जा सकता है।पहला, अस्पतालों को ऐसी डेटा व्यवस्थाओं को खत्म करना होगा, जिनका अलग-अलग बंद पड़े रहना किसी के काम नहीं आता।

दूसरा, स्वास्थ्य तकनीक से जुड़ी कंपनियों को ऐसे उत्पाद और सॉफ्टवेयर बनाने होंगे, जो एक-दूसरे के साथ आसानी से काम कर सकें। तीसरा, चिकित्सा संस्थाओं और संगठनों को छोटे अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को डिजिटल व्यवस्था अपनाने के शुरुआती चरण में मदद करनी होगी। चौथा, नीति बनाने वालों को ऐसे समान और व्यावहारिक मानक तय करने होंगे, जिन्हें स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े सभी लोग अपना सकें।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की सफलता तब मानी जाएगी, जब अस्पतालों, डॉक्टरों और मरीजों को स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव कम होता हुआ महसूस होगा। जब ऐसा होगा और ऐसा होना संभव है तब डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मरीजों के इलाज का अधिक बेहतर और प्रभावी तरीका माना जाएगा।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

गणपति विसर्जन के बाद स्वच्छता प्रहरीयो ने की सफाई

भिलाई। अभियान टीम स्वच्छता ही सेवा समिति भिलाई नगर के स्वच्छता प्रहरीयो ने 443 वां सप्ताह में रिसाली शीतला तालाब कल्याणी मंदिर के पास सरोवर में गणपति बप्पा के विसर्जन के पश्चात बचे हुए अवशेषो को तालाब के किनारे छोड गए थे जो यत्र तत्र फैलकर बिखरे पड़े थे जिसे एक जगह एकत्रित कर पचरी को साफ सफाई करते हुए पानी डालकर साफ सफाई करते हुए पितृपक्ष में तर्पण करने वाले लोगों के लिए सुगम बनाया गया। स्वच्छता अभियान टीम में विशेष रूप से सेवा संकल्प अभियान रिसाली के प्रभारी शैलेन्द्र शेंडे जी, नेता प्रतिपक्ष पार्षद शैलेद्र साहू जी, पार्षद विधि यादव जी, स्वच्छता अभियान टीम के अध्यक्ष प्रेमचंद साहू, संयोजक हर्षदेव साहू जी, सचिव शैलेन्द्र साहू,ज्ञानिक साहू जी,गुलाब साहू, भूपेंद्र साहू, मनोज साहू, देवेंद्र साहू, मनहरण ठाकुर, इंद्रजीत साहू, शंकर निर्मलकर आदि शामिल रहे।

श्रम यशस्वी पुरस्कार के लिए 5 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। श्रम विभाग द्वारा श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों और संस्थाओं को स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के तहत चयनित श्रमिक या संस्था को 2 लाख रुपए की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं का उनके उल्लेखनीय योगदान के आधार पर चयन किया जाएगा। ऐसे श्रमिक एवं संस्थाएं पात्र होंगी, जिन्होंने मजदूरों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य की दिशा में विशेष प्रभावी उपाय किए हों। साथ ही आलोच्य अवधि में कोई गंभीर दुर्घटना नहीं हुई हो तथा सुरक्षा नियमों के व्यापक प्रचार–प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया हो, जिससे प्रदेश का नाम श्रम जगत में गौरवान्वित हुआ हो इच्छुक श्रमिक एवं संस्थाएं 5 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

भिलाई निगम की अप्रेंटिसशिप भर्ती प्रक्रिया स्थगित

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में अप्रेंटिसशिप के माध्यम से भर्ती हेतु जारी विज्ञापन को अपरिहार्य कारणों के चलते आगामी आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा अप्रेंटिसशिप के माध्यम से भर्ती के संबंध में पूर्व में जारी विज्ञापन के संदर्भ में यह सूचना जारी की गई है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उक्त भर्ती प्रक्रिया को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। इस संबंध में नगर पालिक निगम भिलाई की ओर से सूचना का प्रकाशन दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से किया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया पुनः प्रारंभ किए जाने के संबंध में पृथक से सूचना जारी की जाएगी।

चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, 100 से ज्यादा छात्र शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रूआबांधा में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम में विकासखंड दुर्ग के विभिन्न संकुल केंद्रों से बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण, पालकगण, शिक्षा विभाग के अधिकारी–कर्मचारी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

अभियान के अंतर्गत आयोजित भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता में 75 संकुल केंद्रों से कुल 163 विद्यार्थियों ने सहभागिता प्रदान की। मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव एवं विशेष अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर, सुरेंद्र कौशिक, श्रीमती शीतला ठाकुर, अनुपम साहू, सारिका साहू, सविता धवस, दशरथ साहू, वेदप्रकाश साहू, जिला शिक्षा अधिकारी श्री जगजीत सिंह धीर, डीएमसी दुर्ग विनोद सिन्हा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

देशभर में चल रहा सेवा संकल्प अभियान

इस मौके पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक देशभर में सेवा संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ 2047 की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प की तुलना एक पौधा लगाने से करते हुए कहा कि जिस प्रकार आज लगाया गया वृक्ष आने वाली पीढ़ियों को फल, छाया और पर्यावरणीय लाभ प्रदान करता है, उसी प्रकार आज किए गए विकास एवं राष्ट्र निर्माण के प्रयासों का लाभ आने वाली पीढ़ियों को प्राप्त होगा। उन्होंने वर्ष 2014 के बाद प्रारंभ किए गए स्वच्छता अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वच्छता के प्रति जन–जागरूकता का प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बच्चों तक भी पहुंचा है।

अभिव्यक्ति की उड़ान में चार जिलों के 13 स्कूलों के विशेष बच्चों ने बिखेरे कला के विविद रंग

■ **सामाजिक सेवा संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन का आयोजन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सामाजिक सेवा संस्थान गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन ने अभिव्यक्ति की उड़ान का आयोजन 27 सितंबर की शाम महात्मा गांधी कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में किया। विशेष बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को एक भव्य मंच प्रदान करने के उद्देश्य से इस वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शानदार प्रस्तुति हुई। चार जिलों के 13 विद्यालयों के विशेष बच्चों ने यहां अपनी कला के प्रदर्शन से दर्शकों को हैरान कर दिया। इन बच्चों की प्रस्तुति सामान्य बच्चों से कहीं भी कमतर नहीं थी, अतिथियों ने भी इन बच्चों को खूब सराहा।

आयोजन में मुख्य अतिथि डीआईजी सीआईएसएफचंदन कुमार झा विशेष रूप से उपस्थित थे।अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और बच्चों को पुरस्कार व सम्मान प्रदान किए। इस मौके पर विशेष अतिथि के तौर पर एफएसएनएल के चेयरमैन तोषिहिरो फुजिवारा उपस्थित रहे।

गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

विशेष बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे सभागार को भावविभोर कर दिया। बच्चों की हर एक प्रस्तुति में उनकी कड़ी मेहनत, अदम्य आत्मविश्वास और अनूठी प्रतिभा की झलक साफ दिखाई दे रही थी। कई प्रस्तुतियां इतनी हृदयस्पर्शी थीं कि दर्शक भावुक हो उठे और पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इसके पहले शुरुआत में जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने कहा कि संस्थान का यह प्रयास छिपी प्रतिभा को पहचान दिलाना है।

विशेष बच्चों की प्रस्तुति को अतिथियों ने सराहा

इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए। अतिथियों ने कहा कि अभिव्यक्ति की उड़ान ने एक बार फिर समाज को यह मजबूत संदेश दिया कि हर बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा छिपी होती है। जरूरत है तो बस उसे सही मंच देने और प्रोत्साहित करने की। जीई फाउंडेशन की यह सार्थक पहल निश्चित रूप से विशेष बच्चों के जीवन में आत्मविश्वास का नया संचार कर रही है और उन्हें समाज में एक विशिष्ट पहचान दिला रही है। सभी ने प्रस्तुतियों की सराहना की।

इन स्कूलों की रही भागीदारी

इस वर्ष के आयोजन में चार प्रमुख जिलों धमतरी, रायपुर, राजनांदगांव तथा दुर्ग–भिलाई के कुल तेरह विशेष विद्यालयों के बच्चों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में आकांक्षा स्कूल रायपुर, एक्जैक्ट फाउंडेशन धमतरी, अभिलाषा स्कूल राजनांदगांव, मुस्कान स्कूल, नयनदीप स्कूल, दिव्य ज्योति स्कूल, स्नेह संपदा, तारे ज़मीं पर स्कूल, ब्राइट स्कूल, गुरुकुल, मानवता स्कूल, नवजीवन कल्याणी एवं सुर धारा के बच्चों ने भाग लिया।

आयोजन को सफल बनाने में टीम की रही भूमिका

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में जीई फाउंडेशन की पूरी टीम और स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। कार्यक्रम का प्रभावी और ऊर्जावान संचालन अनुपमा मेश्राम एवं साक्षी पांडे ने अपनी सहज एंकरिंग से किया। इस आयोजन को सफल बनाने में मनीष टावरी, सुरेश कुमार, जावेद, के.वी. विनोद, उमेश पटेल, श्रेयस, प्रकाश देशमुख, देव नारायण पटेल, ज्योति पिल्लई, सुभागा सुरेश, सुरुचि तिवारी, मोनिका सिंह आदि उपस्थित रहे।

आंगन मिलन कार्यक्रम में सहायिकाओं एवं मितानिनों का किया गया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा परियोजना वार्ड क्रमांक 60 कातुलबोर्ड स्थित आंगनबाडी भवन में सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती अलका बाघमार रहे। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मितानिनों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका सम्मान किया गया तथा बच्चों एवं गर्भवती माताओं के पोषण और स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया।

महापौर बाघमार ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग की नींव आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं मितानिन हैं। इनके माध्यम से स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पौष्टिक आहार, न्योता भोज एवं अन्य गतिविधियों के जरिए आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जब एक गर्भवती माता स्वस्थ होगी तो आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ होगी। उन्होंने कहा कि शासन के पोषण अभियान से जुड़कर मातृशक्ति को सम्मान दिया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं मितानिन बहनें घर–घर जाकर कुपोषण के खिलाफ लड़ाई लड़ रही हैं और स्वस्थ एवं विकसित भारत की नींव मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि सुपोषण' के लिए मिलकर कार्य करें तथा बच्चों के लिए पौष्टिक आहार को प्राथमिकता दें। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती माताओं का गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया। वहीं छह माह पूर्ण कर चुके बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार एवं धात्री बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया।

जनदर्शन में 15 आवेदन प्राप्त, आयुक्त ने त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में प्रत्येक सोमवार को निगम सभागार कक्ष में नागरिकों की शिकायतों एवं मांगों के निराकरण के लिए जनदर्शन का आयोजन किया जाता है। जनदर्शन के माध्यम से नागरिक सीधे निगम अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

इसी क्रम में आज आयोजित जनदर्शन में निगम आयुक्त सुरूचि सिंह, उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे एवं दिनेश कोसरिया की उपस्थिति में नागरिकों द्वारा विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित कुल 15 आवेदन प्रस्तुत किए गए। नागरिकों ने अपने क्षेत्र से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं सहित विभिन्न विषयों को लेकर आवेदन सौंपे। आयुक्त ने नागरिकों से प्राप्त आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर नियमानुसार यथाशीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

साथ ही संबंधित विभागों को प्रकरणों पर समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। निगम द्वारा जनदर्शन के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनके निराकरण की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को अपनी शिकायत एवं मांग के लिए सहज माध्यम उपलब्ध हो सके।

शिविर में 129 आवेदनों का मौके पर निराकरण

■ **विधायक चंद्राकर ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का किया अवलोकन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम रिसाली द्वारा नगरीय निकाय स्तर पर आयोजित सेवा संकल्प अभियान के तहत शिविर में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। पुरैना के वार्ड क्रमांक 38 स्टोर पारा, वार्ड क्रमांक 39 एनएसपीसीएल और वार्ड क्रमांक 40 पुरैना बस्ती के नागरिकों के लिए सामुदायिक भवन में शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 135 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 129 आवेदनों का मौके पर निराकरण किया गया। शेष 6 आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है।

शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर, वार्ड पार्षद श्रीमती रंजीता बेनुआ एवं श्रीमती पार्वती महानंद विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्री चंद्राकर ने नागरिकों से संवाद कर उनकी मांगों एवं शिकायतों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प शिविर के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान उनके नजदीक उपलब्ध कराना है। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में सेवा के योगदान से प्रेरित होकर आयोजित इस अभियान के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

विधायक श्री चंद्राकर ने निगम द्वारा लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉल का अवलोकन भी किया तथा अधिकारियों से नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली।

पटवारी की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी

शिविर के दौरान नागरिकों से चर्चा में आय प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही परेशानियों की जानकारी सामने आई। इस पर विधायक श्री ललित चंद्राकर ने पटवारी की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उनसे चर्चा की और शिविर में उपस्थित होकर नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत मंडल के अधिकारियों से भी चर्चा कर बिजली संबंधी शिकायतों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। शिविर में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया गया, ताकि आम नागरिकों को शासकीय सेवाओं को लाभ लेने में अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव सोसायटी ने सेवानिवृत्त सदस्यों का किया सम्मान, कर्मी बोले-परिवार की तरह साथ दिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र की सबसे पहली और प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को–ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड (सेक्टर–6) ने अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया। जिसमें अगस्त माह अथवा उससे पूर्व संयंत्र की सेवा से निवृत्त एवं स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले कुल 58 सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई। सोसायटी के इतिहास में यह विलक्षण अवसर था जब एक साथ इतने बड़े पैमाने पर रिकॉर्ड 58 कर्मियों को विदाई दी गई।

अध्यक्षता कर रहे सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सभी सदस्यों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और सोसायटी में जमा उनकी स्व–निधियों के खाते देय चेक सौंपे। अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने इस दौरान कहा कि सोसायटी की

नींव आप सभी कर्मचारियों के पसीने और भरोसे पर टिकी है; आपकी सेवानिवृत्ति भले ही संयंत्र से हुई हो, लेकिन इस परिवार से आपका रिश्ता जीवन भर अटूट रहेगा।

समारोह के दौरान वर्षों की सेवा के बाद विदा ले रहे कर्मचारी अपनी पुरानी यादों और सोसायटी से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए भावुक हो उठे। देबब्रत रॉय (कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग) ने कहा–इस सोसायटी ने मेरे संकट के हर दौर में एक सच्चे परिवार की तरह साथ दिया है, जिसे मैं जीवन भर नहीं भूल सकता। चंद्राशीला सैमुअल (मेडिकल विभाग) ने कहा–संयंत्र की सेवा के साथ–साथ इस संस्था से जुड़ाव ने मुझे आर्थिक और मानसिक रूप से हमेशा संबल प्रदान किया। छत्तर सिंह डहरे ने कहा– वर्षों की सेवा के बाद आज मिल रहा यह सम्मान मेरे जीवन की सबसे अनमोल पूंजी है। देव नारायण पटेल ने कहा– सोसायटी के पारदर्शी कामकाज और आत्मीय व्यवहार ने हमेशा सदस्यों का दिल जीता है। बाला राम (टी.ए.ओ. विभाग) ने कहा आज संस्था से अलग होते समय वैसा ही दुख हो रहा है जैसा अपने पैतृक घर को छोड़ते वक्त होता है। इस अवसर पर सोसायटी के संचालक मंडल के सदस्यों सहित अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावी संचालन संस्था के प्रबंधक एम. मुरलीधर ने किया, जबकि समारोह के अंत में वरिष्ठ सहायक चंचल प्रसाद तिवारी ने सभी अतिथियों एवं सेवानिवृत्त कर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम में पोषण जागरूकता पर जोर

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बाल विकास परियोजना दुर्ग शहर के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, मितानिनों एवं एएनएम को जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य, पोषण और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में उनके योगदान के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडेय, परियोजना अधिकारी अनिता सिंह, पर्यवेक्षक सीपी चंद्राकर, स्वास्थ्य विभाग की बीईटीओ रीता रानी एवं एएनएम अनिता डेविड सहित जनप्रतिनिधि, स्व सहायता समूह की महिलाएं और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

सेवा संकल्प

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों की सौगात

रायपुर । महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले में दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को बजट स्वीकृति मिली है। कुल 30.70 किलोमीटर लंबी इन सड़कों के लिए लगभग 8 करोड़ 48 लाख 28 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। बजट विवरण के अनुसार, खर्रा से चिकनी भंडारपारा तक 17.50 किलोमीटर सड़क के लिए 5 करोड़ 8 लाख 98 हजार रुपये और कुंजनगर से जमदेई पटेलपारा तक 13.20 किलोमीटर सड़क के लिए 3 करोड़ 39 लाख 30 हजार रुपये स्वीकृत हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बेहतर सड़कें गांवों के विकास की आधारशिला हैं। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार से जुड़ी सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि भटगांव विधानसभा क्षेत्र सहित सूरजपुर जिले में सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सेवा संकल्प अभियान में गांव-गांव स्वच्छता की मुहिम

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा-2026 के अंतर्गत जांजगीर-चांपा जिले के गांवों में जनभागीदारी के साथ स्वच्छता की मुहिम चलाई जा रही है। 'स्वच्छता में सहभागी, स्वच्छ भारत विकसित भारत' की थीम पर ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमदान, सार्वजनिक स्थलों एवं तालाबों की सफाई, पौधरोपण और हाथ धुलाई जैसी गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। अभियान की विशेषता इसमें ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही। जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों, विद्यार्थियों, स्वयंसेवकों और स्वच्छताग्राहियों ने विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता कर अपने गांव और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। अभियान के तहत अमृत सरोवर एवं अन्य तालाबों की साफ-सफाई के लिए सामूहिक श्रमदान किया गया। ग्रामीणों ने जलस्रोतों और उनके आसपास के क्षेत्रों की सफाई में भाग लेकर जलस्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने का संदेश दिया।

बालिका छात्रावासों में विधिक जागरूकता शिविर, साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

रायपुर। बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सूरजपुर के दो पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावासों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शासकीय आदर्श आदिवासी पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास और शासकीय अन्य पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास में आयोजित शिविरों में छात्राओं को पॉक्सो अधिनियम, साइबर सुरक्षा और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। शिविरों का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर के अध्यक्ष थॉमस एक्का के मार्गदर्शन तथा प्राधिकरण की सचिव पायल टोपनो के नेतृत्व में किया गया। व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी अंजली पाण्डेय ने छात्राओं को सरल भाषा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों और पॉक्सो अधिनियम के तहत बच्चों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा के बारे में बताया। उन्होंने पॉक्सो प्रकरणों की गंभीरता और फास्ट ट्रैक कोर्ट की भूमिका समझाते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के शोषण या अपराध की स्थिति में छात्राएं चुप न रहें और समय पर सहायता लें।

पर्यटन के नक्शे पर जशपुर की नई पहचान, 'ट्रिप्पी हिल्स' को सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म अवॉर्ड 2026

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जशपुर जिले के पर्यटन क्षेत्र को महत्वपूर्ण राज्यस्तरीय पहचान मिली है। जशपुर की संस्था 'ट्रिप्पी हिल्स' को वर्ष 2026 का 'सर्वश्रेष्ठ एडवेंचर टूरिज्म अवॉर्ड' प्रदान किया गया।

27 सितंबर को रायपुर में आयोजित विश्व पर्यटन दिवस समारोह में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने ट्रिप्पी हिल्स को यह सम्मान प्रदान किया। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन (सीजीटीटीए) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले संस्थानों एवं पर्यटन हितधारकों को सम्मानित किया गया। राज्य पर्यटन पुरस्कारों में एडवेंचर टूरिज्म सहित पर्यटन क्षेत्र की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता दी गई। ट्रिप्पी हिल्स द्वारा वर्ष 2019 से जशपुर की प्राकृतिक एवं साहसिक पर्यटन संभावनाओं को पर्यटकों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। संस्था ने जिले के प्राकृतिक स्थलों, जलप्रपातों, गुफाओं, जंगलों और पर्वतीय क्षेत्रों को एडवेंचर पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में पहल की है। ट्रेकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, केव एक्सप्लोरेशन, वाटर एक्टिविटीज और कैंपिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से पर्यटकों को जशपुर की प्राकृतिक सुंदरता से परिचित कराने का प्रयास किया गया है।

स्थानीय युवाओं और समुदायों की भागीदारी को भी संस्था की गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को गाइड के रूप में प्रशिक्षण देने तथा स्थानीय होमस्टे एवं पारंपरिक खान-पान को पर्यटन से जोड़ने से स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिला है। पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार पर्यटन को ध्यान में रखते हुए पर्यटन गतिविधियों को विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है।

रोजगार सृजन और आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बन सकते हैं नवाचारी विचार: राज्यपाल

कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि यदि युवाओं के नवाचार को उचित मार्गदर्शन, पूंजी और संस्थागत सहयोग मिले तो उनके विचार रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के प्रभावी माध्यम बन सकते हैं। श्री डेका ने कहा कि वास्तविक आत्मनिर्भरता तभी संभव है जब नवाचार और उद्यमिता के अवसर राज्य के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचें। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी बहुल बस्तर तथा सरगुजा और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से उभरते नवाचारों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नवाचार एवं उद्यमिता विकास की सबसे ज्यादा संभावनाएं कृषि आधारित उद्योगों में है, इनसे किसानों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक लाभ मिलेगा। राज्यपाल डेका यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि मंडपम में 28 से 30 सितम्बर तक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, छत्तीसगढ़ बायोटेक प्रमोशन सोसायटी तथा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के सहयोग से आयोजित छत्तीसगढ़ यूथ इनोवेशन एवं एंटरप्रेन्योरशिप कॉन्क्लेव 2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री डेका ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं एकमात्र बायोटेक्नोलॉजी सेक्टर-केंद्रित सुभाष चंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के नवनिर्मित भवन का शुभारंभ भी किया। यह केंद्र प्रदेश में बायोटेक्नोलॉजी आधारित अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, स्टार्टअप विकास एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थागत आधार के रूप में कार्य करेगा। श्री डेका ने इन्क्यूबेशन सेंटर में निर्मित अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं सुविधाओं का अवलोकन भी किया।

राज्यपाल श्री डेका ने यूथ कॉन्क्लेव के दौरान युवा नेतृत्व वाले उद्यमों और संस्थागत नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली नवाचार एवं स्टार्टअप प्रदर्शनी का शुभारंभ भी किया। उन्होंने प्रदर्शनी में 24 से अधिक स्टार्टअप्स द्वारा प्रदर्शित नवाचार, तकनीक और समाधानों का अवलोकन करते हुए युवा उद्यमियों, से उनसे स्टार्टअप के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनका उत्साहवर्धन किया। यूथ कॉन्क्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य भागों से 1200 से अधिक युवा छात्र, नवाचारी उद्यमि एवं स्टार्टअप स्थापित करने के आकांक्षी युवा शामिल हुए हैं। इस अवसर पर विधायक धरसींवा अनुज शर्मा, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के निदेशक डॉ. समीर बाजपेयी एवं नाबार्ड छत्तीसगढ़ के मुख्य महाप्रबंधक डी. के गावली भी उपस्थित थे।

यूथ कॉन्क्लेव 2026 में शामिल युवा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने कहा कि वे शुरुआती असफलताओं से निराश न हों, बल्कि साहस के साथ शुरुआत करें, निरंतर प्रयास करते रहें और अनुभवी लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त करें। उन्होंने वित्तीय संस्थानों, उद्योग जगत और निवेशकों से भी युवाओं की क्षमता एवं पूंजी के बीच मजबूत सेतु बनाने का आग्रह किया।

श्री डेका ने ''आईजीकेवी आरकेवीवाई-रफ्तार एग्री बिजनेस इनक्यूबेटर (आईजीकेवी आर-एबीआई)'' के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान ने अब तक 400 से अधिक कृषि-आधारित स्टार्टअप्स को इनक्यूबेट किया है। इनमें 129 स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता मिली है तथा 14.93 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता प्रदान की गई है। संस्थान के प्रयासों से 1,000 से अधिक उत्पाद विकसित हुए हैं, 93 महिला संस्थापकों को सहयोग मिला है और स्टार्टअप्स ने 85 पुरस्कार प्राप्त किए हैं। राज्यपाल ने कहा कि इन प्रयासों का प्रभाव एक लाख से अधिक किसानों तक पहुँचा है तथा 1,000 से अधिक प्रत्यक्ष और 7,000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

बैगा बाहुल्य अंचल की 135 आंगनबाड़ियों में एक साथ सजा 'आंगन मिलन सेवा'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के बैगा बाहुल्य क्षेत्र तरेगांव जंगल और दलदली क्षेत्र में सेवा, पोषण और जनभागीदारी का अनूठा संगम देखने को मिला। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत क्षेत्र के सभी 135 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा' का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चले इस आयोजन में बच्चों, माताओं, अभिभावकों, स्वसहायता समूह की महिलाओं और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता निभाई।

'आंगन मिलन सेवा' का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को समुदाय से जोड़ते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाओं की जानकारी प्रत्येक परिवार तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम के दौरान 'विकसित भारत-2047' के नागरिक संकल्प से भी लोगों को जोड़ा गया।

इन आंगनबाड़ी केंद्रों में स्थानीय खाद्यान्न, ताजी हरी सब्जियों और फलों से तैयार 'मेरी पौष्टिक थाली' आकर्षण का केंद्र रही। इसके माध्यम से बच्चों और माताओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार के महत्व की जानकारी दी गई। केंद्रों में पोषण संबंधी जागरूकता गतिविधियों के साथ कुपोषण दूर करने का संदेश भी दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से महिलाओं, गर्भवती माताओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार टीकाकरण किया गया। बच्चों के लिए खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। जनभागीदारी से 'न्योता भोज' का आयोजन कर बच्चों को पौष्टिक भोजन, फल एवं मिठाइयां वितरित की गईं।

महिलाओं और युवतियों के लिए मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। वहीं 'स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता' के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति परिवारों को प्रोत्साहित किया गया। सुपोषित बच्चों और उनकी माताओं को सम्मानित कर बेहतर पोषण के लिए प्रेरित किया गया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को कराया न्योता भोज, भेंट किए मुनगा के पौधे

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े आज अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के निमोरा और धुसेरा आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्होंने बच्चों से आत्मीय बातचीत की, उन्हें चॉकलेट वितरित की और न्योता भोज में पौष्टिक भोजन कराया। मंत्री ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा छोटे बच्चों के अन्नप्राशन संस्कार में भाग लेकर माताओं और परिवारों को शुभकामनाएं दीं।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों में आयोजित आंगन मिलन सेवा का उद्देश्य बच्चों के पोषण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और प्रारंभिक बाल विकास में परिवार तथा समुदाय की भागीदारी बढ़ाना है। इसी भावना के साथ मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने दोनों केंद्रों में बच्चों, माताओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों से उनकी रुचियों के बारे में बात की और कार्यकर्ताओं से केंद्रों में संचालित पोषण एवं देखभाल संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बच्चे स्वस्थ रहेंगे और अच्छी तरह सीखेंगे, तभी उनका भविष्य मजबूत होगा। इसके लिए परिवार और आंगनबाड़ी केंद्र का निरंतर जुड़ाव जरूरी है। उन्होंने माताओं से बच्चों के भोजन में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध दाल, हरी सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने तथा आंगनबाड़ी केंद्र से मिलने वाली सेवाओं का नियमित लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि गोद भराई और अन्नप्राशन जैसे अवसर परिवारों से पोषण पर संवाद करने का भी माध्यम बनते हैं।

कार्यक्रम के दौरान 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में मुनगा का पौधा लगाया गया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने माताओं और महिलाओं को भी मुनगा के पौधे भेंट किए। उन्होंने उन्हें घर की बाड़ी या आसपास उपयुक्त स्थान पर पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। मंत्री ने कहा कि मुनगा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध उपयोगी पौधा है। इसके पौधों को घरों और पोषण वाटिकाओं तक पहुंचाकर परिवारों को पौष्टिक आहार के एक अतिरिक्त स्रोत से जोड़ा जा सकता है। महिलाओं और ग्रामीणों से संवाद में मंत्री राजवाड़े ने महिला एवं बाल विकास विभाग की सेवाओं और योजनाओं की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल बच्चों के आने का स्थान नहीं, बल्कि गर्भवती महिलाओं, माताओं और परिवारों तक पोषण, देखभाल तथा प्रारंभिक शिक्षा की जानकारी पहुंचाने का केंद्र हैं। समुदाय की सक्रिय भागीदारी से इन सेवाओं को और प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू,स्थानीय जनप्रतिनिधि, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

कचरे को बनाया उपयोगी संसाधन : एनआईबीएसएम विद्यार्थियों ने प्रस्तुत किए 'वेस्ट टू वेल्थ' मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। स्वच्छता में सहभाग स्वच्छ भारत - विकसित भारत अभियान के अंतर्गत भाकृअनुप-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर में आज विद्यार्थियों द्वारा 'वेस्ट टू वेल्थ' (कचरे से उपयोगी संसाधन) विषय पर विभिन्न मॉडल एवं नवाचार प्रस्तुत किए गए।

बी.एससी. कृषि के विद्यार्थियों ने अपशिष्ट पदार्थों को उपयोगी उत्पादों एवं संसाधनों में परिवर्तित करने से संबंधित नवीन, व्यावहारिक एवं पर्यावरण-अनुकूल विचारों का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मॉडलों में कचरा पृथक्करण, पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग एवं अपशिष्ट का मूल्य संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को प्रदर्शित किया गया। इन मॉडलों में घरेलू कचरे, कृषि अवशेषों तथा जैव-अवक्रमणीय अपशिष्ट के उपयोग से संबंधित रचनात्मक एवं उपयोगी समाधान शामिल थे। विद्यार्थियों ने यह संदेश दिया कि वैज्ञानिक सोच, उपयुक्त तकनीक और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से कचरे को उपयोगी संसाधन में परिवर्तित किया जा सकता है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. पी. के. राय ने विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन का उद्देश्य केवल स्वच्छता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि संसाधनों की पुनर्प्राप्ति एवं उनके सतत उपयोग पर भी ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा हमें कचरे को केवल त्याज्य पदार्थ के रूप में देखने के बजाय एक संभावित संसाधन के रूप में देखने की प्रेरणा देती है। युवा विद्यार्थियों द्वारा विकसित नवाचारपूर्ण विचार सतत कृषि, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचारों को व्यावहारिक, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तथा व्यापक स्तर पर अपनाए जा सकने वाले समाधानों के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी वैज्ञानिक एवं रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ सतत जीवनशैली और जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का अवसर मिला। कार्यक्रम ने यह संदेश भी दिया कि स्वच्छ एवं विकसित भारत के निर्माण में व्यक्तिगत सहभागिता, नवाचार और सामुदायिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मुख्य सचिव ने समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर कार्य करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन राज्य शासन के सभी विभागों के भारसादक सचिवों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिवों के साथ महत्वपूर्ण योजनाओं और विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्धारित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए है।

बैठक में धान खरीफ विपणन वर्ष के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल योजनाओं और जल संसाधन विभाग को शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल प्रबंधन और उपचार के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। नगरीय विकास विभाग को सिटी वाटर प्लान को विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम सभा के आयोजन के लिए निर्धारित 15 से 22 अक्टूबर की अवधि में आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने को कहा गया। परिवहन विभाग को आगामी समय में ई-व्हीकल को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने तथा खाद्य विभाग को सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी तैयार करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने कहा कि शासन द्वारा बनाए गए सभी विधिक, नियमो, निर्देशों की संदर्भ प्रति ई-गजट पर अपलोड की जाए, ताकि अधिकारियों और संबंधित विभागों को भविष्य में संदर्भ के लिए इनका आसानी से उपयोग किया जा सके। पेंशन से संबंधित मामलों की विभागवार समीक्षा करते हुए विभागध्यक्ष प्रत्येक विभाग को लंबित प्रकरणों की संख्या, उनके निराकरण में लगे समय और प्रगति की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एपीएआर को आईगॉट से लिंक करने तथा प्रत्येक विभाग को कर्मचारियों के क्षमता निर्माण की कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा गया।

मुख्य सचिव ने कर्मचारी चयन मंडल के लिए विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की जानकारी 30 सितंबर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में लोक सेवा गारंटी अधिनियम, रिफॉर्म उत्सव, 2 अक्टूबर की ग्राम सभाओं की तैयारियों और सेवा सेतु की प्रगति पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि वर्तमान में 38 विभागों की 907 सेवाएं सेवा सेतु के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध हैं। मुख्य सचिव ने फायर सेफ्टी अधिनियम में आवश्यक सुधार की दिशा में कार्यवाही करने के साथ ही 'माय भारत पोर्टल' से संबंधित गतिविधियों को भी गति देने के निर्देश दिए। बैठक में गृह विभाग की सचिव श्रीमती नेहा चम्पावत ने बताया कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के माध्यम से जानकारी एकत्रित की जाएंगी और इसके बाद भारत सरकार को भेजी जाएंगी। उन्होंने बताया कि इससे विभिन्न विभागों से प्राप्त सूचनाओं की समेकित रिपोर्टिंग सुनिश्चित होगी। बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ,पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमख सचिव शहला निगार, खनिज साधन विभाग एवं मुख्यमंत्री के सचिव पी. दयानंद, सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक सहित राज्य शासन के अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जिलों की मॉनिटरिंग पर जोर

मुख्य सचिव ने जिलों में योजनाओं और विभागीय कार्यों की प्रभावी निगरानी के लिए स्कोर कार्ड को अंतिम रूप देने को कहा गया, जिससे कलेक्टरों के स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम को प्रभावी बनाने तथा अक्टूबर माह के लिए पारस पोर्टल से संबंधित प्रस्तावों पर आईटी विभाग के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

बेटी दिवस पर कृति सेनन ने उठाया महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा, जबरदस्त संदेश के साथ की ये अपील

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने बेटी दिवस के खास मौके पर एक पोस्ट किया है और साथ ही महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया है। आइए जानते हैं कि एक्ट्रेस ने अपने पोस्ट में क्या लिखा है।

हर साल सितंबर महीने के चौथे रविवार को बेटी दिवस मनाया जाता है। ऐसे में इस खास दिन पर बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं पर बात की है।

साथ ही एक्ट्रेस ने समाज से उन रोजमर्रा की सावधानियों पर सोचने को कहा है, जो महिलाओं को सिर्फ सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षित महसूस करने के लिए बरतनी पड़ती हैं।

कृति ने पोस्ट में क्या लिखा?

अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'इस 'बेटी दिवस' पर जरा सोचिए कि आपकी बेटी आपको फोन करके कहे कि मुझे लग रहा है कुछ आदमी मेरा पीछा कर रहे हैं। सोचिए कि वह रात में अकेले घर जा रही है और बार-बार पीछे मुड़कर देख रही है। सोचिए कि घर पहुंचने से पहले ही उसका फोन बंद हो जाता है। अब एक पल रुक कर इस बारे में सोचिए।'

कृति ने आगे बताया कि सुरक्षा के लिए महिलाएं रोजमर्रा की जिंदगी में कितनी चीजें करने को मजबूर हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, 'लाइव लोकेशन शेयर करने से लेकर, पेपर स्प्रे रखने तक, पैदल जाने के बजाय कैब बुक या सुरक्षित महसूस करने के लिए किसी को फोन करने तक। हमने उसकी जिंदगी को ऐसा बना दिया है कि ये सब उसकी रोजमर्रा की आदत का हिस्सा बन गया है।'

अभिनेत्री ने की ये अपील

एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, 'जिस दिन कोई बेटी रात में अकेले घर जा सके, अंधेरा होने के बाद पार्क में बैठ सके, अपनी मर्जी के कपड़े पहन सके, बिना डरे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल कर सके या बिना हमले के डर के किसी सार्वजनिक जगह पर रह सके... असल में उसी दिन हमें 'बेटी दिवस' मनाना चाहिए।'

यूजर्स को पसंद आई कृति की पोस्ट

कृति की इस पोस्ट पर कई लोगों ने रिएक्शन दिया है। एक शख्स ने लिखा कि सचमुच बहुत तारीफ के काबिल। एक अन्य ने लिखा, 'हमारे समाज की असली सच्चाई।' तीसरे शख्स ने लिखा कि भारत में ऐसा होना मुश्किल है।

कपड़ों को लेकर ट्रोल हुई थीं कृति

बता दें कि कुछ दिनों पहले रक्षाबंधन के मौके पर कृति का एक ऐड आया था, जिसमें वह अपने कपड़े पहनने को लेकर काफी ट्रोल हुई थीं। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए रिएक्शन भी दिया था।

द वन: बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के प्रदर्शन से खुश करण, सिद्धार्थ और तमन्ना से कर दी ये मांग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया भाटिया की फिल्म 'द वन' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी ओपनिंग की है। वीकएंड पर भी यह अच्छी कमाई कर रही है। इससे फिल्ममेकर करण जौहर काफी खुश हैं। उन्होंने फिल्म के वीकेंड बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से खुश होकर इसकी तारीफ की है।

फिल्म को लेकर क्या बोले करण जौहर?

करण जौहर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की एक क्लिप शेयर की। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'द वन ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी हासिल की है! बधाई और ढेर सारा प्यार। दोस्तों, पार्टी कहां है?'

बड़ी रिलीज फिल्मों में शामिल

शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'द वन' ने अपने पहले वीकेंड में अच्छी रफ्तार पकड़ी और शनिवार को डबल डिजिट का आंकड़ा छू लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म उन बड़ी रिलीज की लिस्ट में शामिल हो गई है जिन्होंने सिंगल स्क्रीन पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

'द वन' का कलेक्शन

पहले दिन 8.12 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ, फिल्म ने शनिवार को 11.41 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन खबर लिखे जाने तक इसने 9.17 करोड़ रुपये कमाए हैं। इस तरह फिल्म की कुल कमाई 28.42 करोड़ रुपये हो गई। रविवार को अच्छा कलेक्शन जारी रखते हुए यह फिल्म 33 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू लेगी।

ग्लैमर गर्ल: कौन हैं तान्या मिश्रा और कैसे बनीं नेशनल क्रश? जैकी श्रॉफ के साथ कर चुकीं हैं काम

सोशल मीडिया पर इन दिनों तान्या मिश्रा चर्चा में बनी हुई हैं। दरअसल, फैंस ने उन्हें नेशनल क्रश का टैग दे दिया है। ऐसे में अब बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिर तान्या है कौन? आइए उनके बारे में जानते हैं।

रश्मिका मंदाना, प्रिया प्रकाश वारियर और तृप्ति डिमरी के बाद अब लोगों ने तान्या मिश्रा को भारत की नई नेशनल क्रश का टैग दे दिया है। ऐसे में बहुत से लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिर तान्या कौन हैं और कैसे उनको यह टैग मिल गया, जिसकी वजह से वह फिलहाल सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। तान्या मॉडल और एक्ट्रेस हैं। 31 जनवरी, 1999 को जन्मी अभिनेत्री मूल रूप से बिहार के गया की रहने वाली हैं और फिलहाल मुंबई में रहती हैं। तान्या ने मगध यूनिवर्सिटी से बी.कॉम की पढ़ाई पूरी की।

इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। उनके प्रोफेशनल पोर्टफोलियो में फेमिना, फिल्मफेयर और ग्राजिया जैसी मैगजीन के लिए फोटोशूट कर चुकी हैं। उन्हें पहली बार पॉपुलैरिटी तब मिली थी, जब अप्रैल-मई 2024 में वह 'फेमिना' के कवर पेज पर नजर आई थीं।

मिस इंडिया पेजेंट से मिली पहचान

तान्या ने साल 2019 में ब्यूटी पेजेंट में भी हिस्सा लिया। वह IAWA मिस इंडिया में चौथी रनर-अप रहीं। इसके अलावा वह कई दूसरे अवॉर्ड्स जीत चुकी हैं।

कैसे मिला नेशनल क्रश का टैग?

तान्या मिश्रा को नेशनल क्रश का टैग उनकी हालिया तस्वीरों के लिए मिला है। वायरल फोटो को देखने के बाद कोई उनकी अदाओं पर फिदा हो गया है, तो कोई उनके लुक्स में खो गया है। बता दें कि इंस्टाग्राम पर उनके 1.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

कौनसी हैं तान्या मिश्रा की फिल्में और सीरीज

मॉडलिंग के साथ-साथ तान्या ने कई फिल्मों, वेब सीरीज और म्यूजिक वीडियोज में काम किया है। साल 2023 में उन्होंने फिल्म 'गजनवी' में नेहा नाम की लड़की का किरदार निभाया था। इसके अलावा वह कन्नड़ फिल्म 'चेज' में सीबीआई इंस्पेक्टर की भूमिका निभा चुकी हैं। तान्या ने वेब सीरीज 'चिड़िया उड़' में जैकी श्रॉफ, सिकंदर खेर और भूमिका चावला के साथ भी काम किया था। इसके अलावा वह म्यूजिक वीडियो 'नखरो', 'तू मेरा हो जाएगा' और 'रहबरा 2.0' में काम कर चुकीं हैं।

रानी चटर्जी भोजपुरी अभिनेत्री की नई फिल्म 'रानी भौजी' का एलान

भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी की नई फिल्म का एलान हो गया है। यह फिल्म डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दस्तक देगी। रानी चटर्जी भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अदाकारा हैं। उनकी फिल्मों का दर्शकों के बीच क्रेज देखा जाता है।

अब एक नई फिल्म के साथ वे फैंस के बीच आ रही हैं। हाल ही में उनकी आगामी भोजपुरी मूवी का एलान हुआ है और इसका फर्स्ट लुक पोस्ट साझा किया गया है।

रानी चटर्जी ने थामा सुदर्शन चक्र?

रानी चटर्जी की इस नई फिल्म का पोस्टर जारी हुआ है। इसमें अभिनेत्री पिंक कलर की साड़ी पहने पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं। सीधे पल्लू की शादी, मंगलसूत्र पहने और मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। उन्होंने एक हाथ में सुदर्शन चक्र जैसा थामा हुआ है। पोस्टर पर कुछ और महिलाएं हैं। एक महिला रानी पर अत्याचार करती दिख रही है। पोस्टर देखकर लग रहा है कि यह फिल्म पूरी तरह से पारिवारिक ड्रामा से भरपूर होगी।

किस ओटीटी पर आएगी फिल्म?

रानी की आगामी फिल्म का टाइटल 'रानी भौजी' है। इस आगामी प्रोजेक्ट को बीटीवी प्ले ओटीटी पर रिलीज किया जाएगा। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा है, 'बीटीवी प्ले ओटीटी' की पहली पेशकश। इस फिल्म का निर्देशन दिल आवेज खान कर रहे हैं। इसे मनीष शर्मा प्रोड्यूस कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

फैंस हुए उत्साहित

रानी चटर्जी की फिल्म की घोषणा पर उनके फैंस उत्साहित हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'सबके दिलों की रानी, भोजपुरिया क्वीन'। एक यूजर ने लिखा, 'आपकी मूवीज का इंतजार रहता है'। कुछ लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं।

मौसम बदलने के बाद बीमार पड़ गए हैं? इन 5 उपायों को अपनाकर महसूस होगा आराम

मौसम में बदलाव होते ही लोगों को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। खासतौर से बदलते मौसम में सर्दी-जुकाम और बुखार जैसी बीमारियां आम हो जाती हैं। इसके अलावा मौसम के बदलाव से शरीर में कमजोरी, सिरदर्द और पेट की समस्याएं भी हो सकती हैं। अगर आपको भी मौसम का असर महसूस होता है तो इन 5 उपायों को अपनाकर आप इस परेशानी से बच सकते हैं।

रोजाना करें कसरत

रोजाना कसरत करने से आपका शरीर स्वस्थ रहता है। कसरत से शरीर में गर्मी बनी रहती है और आप ठंड से बच सकते हैं।

इसके अलावा नियमित कसरत करने से आपकी रोगों से लड़ने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आप बीमारियों से लड़ने में सक्षम होते हैं। रोजाना कुछ मिनट योग या व्यायाम करने से आपका शरीर फिट रहता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

आप जिम जा सकते हैं या घर पर ही कसरत कर सकते हैं।

सही खाना खाएं

सही खाना आपके शरीर को जरूरी पोषण देता है, जिससे आपकी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है। मौसमी फल और सब्जियों का सेवन करें, जो विटामिन-सी और अन्य जरूरी चीजों से भरपूर हों, ताकि आपकी सेहत बनी रहे।

इसके अलावा हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें और सूखे मेवे भी अपने खाने में शामिल करें। इनसे आपकी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है और आप बीमारियों से बच सकते हैं।

पूरी नींद लें

पूरी नींद लेना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अहम है। अच्छी नींद लेने से आपका शरीर आराम करता है और ऊर्जा मिलती है, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करते हैं।

इसके अलावा अच्छी नींद लेने से आपका दिमाग भी बेहतर तरीके से काम करता है, जिससे आप तनाव मुक्त रहते हैं और आपकी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

रोजाना 7-8 घंटे की नींद लेना अच्छा माना जाता है।

हाथ धोने की आदत डालें

हाथ धोना एक सरल, लेकिन असरदार तरीका है, जिससे आप कई बीमारियों से बच सकते हैं। खासतौर से बाहर खाने-पीने या किसी सार्वजनिक स्थान पर जाने के बाद अपने हाथों को अच्छे से धोना न भूलें।

साबुन और पानी से हाथ धोने के अलावा अल्कोहल वाले हाथ साफ करने वाले का उपयोग भी करें। इससे कीटाणु और बैक्टीरिया खत्म होते हैं, जो आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं।

गर्म कपड़े पहनें

गर्म कपड़े पहनकर आप ठंड से बच सकते हैं और अपने शरीर को गर्म रख सकते हैं। ऊनी स्वेटर, मफलर, टोपी और मोजे पहनें, ताकि आपका पूरा शरीर ठंड से सुरक्षित रहे। इसके अलावा जब भी बाहर निकलें तो अपने साथ एक छाता या बारिश की जैकेट रखें ताकि बारिश में भीगने से बच सकें। इन सरल उपायों को अपनाकर आप मौसम के बदलाव से होने वाली बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

खास-खबर

नमो सेवा गाथा के तहत नुक्कड़ नाटकों से दिया जनजागरूकता का संदेश

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'नमो सेवा गाथा' पहल के तहत शिक्षा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से जीपीएम जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा यात्रा एवं जनकल्याणकारी प्रयासों के साथ-साथ सेवा, स्वच्छता, नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण जैसे सामाजिक सरोकारों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। अभियान के तहत जनपद पंचायत पेंड्रा के ग्राम टंगियामार, जनपद पंचायत मरवाही के ग्राम उसाड़, बेलझरिया, चचेड़ी एवं मड़वाही तथा गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत बस्ती में नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया।

आंगनवाड़ी मिलन सेवा कार्यक्रमों से पोषण और जनभागीदारी का संदेश

रायपुर । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जीपीएम जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में 'आंगनवाड़ी मिलन सेवा' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिले के कुल 839 आंगनवाड़ी केंद्रों में चरणबद्ध रूप से आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 83 केंद्रों में महिलाओं, बच्चों और समुदाय की सहभागिता से पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास का संदेश दिया जा रहा है। आंगनवाड़ी मिलन सेवा कार्यक्रमों में पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शनी, स्वस्थ शिशु स्पर्धा, बच्चों की खेल एवं चित्रकला प्रतियोगिता, पौधरोपण, नेवता भोज, गोदभराई, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

स्वच्छता अभियान के साथ जल संरक्षण का दिया संदेश

रायपुर । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला जनपद के गांगपुर जलाशय एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान और जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान गांगपुर जलाशय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों को जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा वर्षा जल के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही जल स्रोतों के आसपास कचरा एवं गंदगी नहीं फैलाने तथा प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण में सामुदायिक सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस-2026' में देश-विदेश के टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स और हॉस्पिटैलिटी विशेषज्ञों का संगम

विश्व पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान बनाने में तेजी से आगे बढ़ रहा है छत्तीसगढ़ - मंत्री राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ ने अपने समृद्ध प्राकृतिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और विरासत पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में मेफेयर लेक व्यू रिसॉर्ट, नवा रायपुर में 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस-2026' का आयोजन किया गया। आयोजन में देश के विभिन्न राज्यों के साथ पड़ोसी राज्यों के प्रमुख टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स, होटलियर्स, होम-स्टे संचालक, पर्यटन संस्थाओं तथा विदेशी टूर एजेंसियों के प्रतिनिधियों की सहभागिता रही।

इस आयोजन ने छत्तीसगढ़ को केवल एक पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय उसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पर्यटन कारोबार के संभावनाशील बाजार के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। बीटूबी बैठकों के माध्यम से पर्यटन कारोबारियों के बीच सीधे व्यावसायिक संवाद, नए टूर पैकेज तैयार करने, पर्यटक समूहों को छत्तीसगढ़ लाने, निवेश की संभावनाओं को तलाशने तथा प्रदेश के पर्यटन उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने पर चर्चा हुई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने की। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे, एलियांज इंडिया एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप भगत, छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष जसप्रीत भाटिया, कपिल जैन, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर विजय दयाराम के., होटल मेफेयर के जीएम नीलेश, जिला पंचायत जीपीएम के सीईओ मुकेश रावटे सहित पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं पर्यटन मंडल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

अग्रवाल ने कहा कि 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस' देश-विदेश के पर्यटन कारोबारियों को छत्तीसगढ़ से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण बिजनेस प्लेटफॉर्म है। इस प्रकार के आयोजन से व्यावसायिक साझेदारी बढ़ाने, नए पर्यटन बाजारों से जुड़ने, नए टूर पैकेज विकसित करने और छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को अधिक से अधिक पर्यटकों तक पहुंचाने के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने रायपुर में निर्माणाधीन फिल्म सिटी, भोरमदेव कॉरिडोर और जशपुर के मयाली क्षेत्र में पर्यटन विकास जैसी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि यह आयोजन केवल उत्सव या औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। देश-विदेश के पर्यटन कारोबारियों और विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने तथा छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दिल्ली, भुवनेश्वर, पुणे और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों में रोड शो एवं विभिन्न राष्ट्रीय पर्यटन आयोजनों में सहभागिता के माध्यम से छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और पर्यटन सुविधाओं का प्रचार-प्रसार किया गया है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप 400 से अधिक ट्रैवल एजेंसियां छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल से जुड़ चुकी हैं। आने वाले समय में इस नेटवर्क को और विस्तारित किया जाएगा।

पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन ने कहा कि पर्यटन को केवल भ्रमण का विषय न मानकर विकास, रोजगार और आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनाना होगा। स्थानीय समुदायों को पर्यटन से जोड़कर रोजगार और आय के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। प्राकृतिक संपदा को बेहतर पर्यटन उत्पादों और पैकेज में परिवर्तित करते हुए अन्य राज्यों एवं देशों के साथ पर्यटन साझेदारी विकसित करनी होगी। उन्होंने आयोजन में बने नए संपर्कों और साझेदारियों को वास्तविक पर्यटन विकास में परिवर्तित करने तथा डिजिटल मार्केटिंग और सोशल मीडिया के माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर जोर दिया। प्रस्तुतीकरण में चित्रकोट, तीरथगढ़, कुटुमसर,सिरपुर, भोरमदेव, ढोलकल गणेश, नारायणपाल और मल्हार सहित छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक, जनजातीय, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थलों की संभावनाओं को रेखांकित किया गया।

डिजिटल तकनीक और एआई से वैश्विक पर्यटन बाजार में नई पहुंच

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे ने विश्व पर्यटन दिवस 2026 की थीम 'डिजिटल एजेन्डा एन्ड आर्टिफिशियल इन्टेलिजेन्स टू रिडिजाइन टूरिज्म' के संदर्भ में छत्तीसगढ़ पर्यटन की संभावनाओं को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं। पर्यटन संबंधी जानकारी, डिजिटल प्रचार-प्रसार, पर्यटक अनुभव, कंटेंट निर्माण और पर्यटन स्थलों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने में इन तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाने की प्रतिबद्धता

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पर्यटन केवल घूमने-फिरने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति, इतिहास, विरासत और स्थानीय अर्थव्यवस्था को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। छत्तीसगढ़ के पास बस्तर की जीवंत जनजातीय संस्कृति, सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता, चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे जलप्रपात, सिरपुर की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत, राजिम की धार्मिक आस्था, भोरमदेव की स्थापत्य कला और बारनवापारा का वन्यजीवन जैसी विविध पर्यटन संपदाएं हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं है, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, कारीगरों एवं कलाकारों के लिए बाजार तथा ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर तैयार करना भी है।

सेवा संकल्प अभियान : गांगपुर जलाशय में स्वच्छता अभियान के साथ जल संरक्षण का दिया संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के गौरेला जनपद के गांगपुर जलाशय एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान और जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया।

अभियान के दौरान गांगपुर जलाशय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों को जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा वर्षा जल के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही जल स्रोतों के आसपास कचरा एवं गंदगी नहीं फैलाने तथा प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण में सामुदायिक सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभागीय अमले ने ग्रामीणों से कहा कि जल केवल प्राकृतिक संसाधन ही नहीं, बल्कि जीवन और आने वाली पीढ़ियों की अमूल्य धरोहर है। दैनिक जीवन में छोटी-छोटी आदतों में बदलाव कर तथा पानी के अपव्यय को रोककर जल संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

पीएमश्री स्कूल के उन्नयन से शासकीय प्राथमिक शाला चनाट का हुआ कायाकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पीएमश्री योजना से दूरस्थ वनांचल में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला चनाट की तस्वीर बदल गई है। आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं, आकर्षक वातावरण और गतिविधि आधारित शिक्षण व्यवस्था के कारण विद्यालय में बच्चों की पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ी है। विद्यालय में आए सकारात्मक बदलाव से आसपास के गांवों के अभिभावक भी अपने बच्चों को यहां पढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

स्कूल शिक्षा विभाग के द्वारा राज्य सरकार का प्रयास है कि शहरों के साथ-साथ दूरस्थ ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले। पीएमश्री विद्यालय इसी संकल्प को धरातल पर साकार कर रहे हैं। विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान न होकर बच्चों के सर्वांगीण विकास का केंद्र बने, इस दिशा में अधोसंरचना के साथ खेल, योग, संगीत, रचनात्मक गतिविधियों और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महासमुंद जिले के विकासखंड बसना के ग्राम चनाट स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का वर्ष 2023 को पीएमश्री स्कूल के रूप में उन्नयन किया गया। इसके बाद विद्यालय में आवश्यक अधोसंरचना एवं शैक्षणिक सुविधाओं का लगातार विस्तार किया गया। बालवाड़ी संचालन के लिए अतिरिक्त कक्ष का निर्माण किया गया है।

वहीं बैगलेस-डे गतिविधियों के लिए अलग कक्ष बनाया गया है, जहां बच्चों के लिए समूह गतिविधियां, संगीत, योग सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां संचालित की जाती हैं।विद्यालय में सुसज्जित अध्यापन कक्ष, आकर्षक प्रिंट रिच वातावरण, शुद्ध पेयजल, स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था, सुंदर गार्डन तथा खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सुविधाएं विकसित की गई हैं। मुख्य प्रवेश द्वार, शौचालय और वाटर हार्वेस्टिंग संरचना का निर्माण भी किया गया है।

सीआईआई एमएसएमई कॉन्क्लेव 2.0 का उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने किया शुभारंभ

नवाचार, तकनीक, वित्त और बेहतर कारोबारी वातावरण के जरिए एमएसएमई को सशक्त बनाने पर जोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) छत्तीसगढ़ राज्य परिषद द्वारा आयोजित दो दिवसीय एमएसएमई कॉन्क्लेव 2.0 का आज उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने शुभारंभ किया। नवाचार एवं सतत औद्योगिक विकास द्वारा एमएसएमई का सशक्तिकरण विषय पर आयोजित कॉन्क्लेव के पहले दिन 250 से अधिक उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस, वित्तपोषण, तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और औद्योगिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कॉन्क्लेव का उद्घाटन सत्र में उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के औद्योगिक और आर्थिक विकास में छोटे उद्योगों, कारखानों और कार्यशालाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। एमएसएमई के विकास के लिए बेहतर कानून-व्यवस्था, सुगम सड़क संपर्क और त्वरित स्वीकृतियां आवश्यक हैं। राज्य सरकार इन तीनों क्षेत्रों में बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि इसके लिए शासन द्वारा उद्योग नीति बनाई गई है जिसमें एमएसएमई के साथ समावेशी विकास दिखाई देता है। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि राज्य की औद्योगिक विकास नीति के केंद्र में एमएसएमई हैं। सरकार का प्रयास है कि बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों के उद्यमियों को भी उद्योग स्थापना और संचालन से संबंधित सेवाएं उतनी ही सहजता और तेजी से मिलें, जितनी राजधानी रायपुर में उपलब्ध हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सीएसआईडीसी) के अध्यक्ष श्री राजीव अग्रवाल ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों में तैयार भूमि और प्लग-एंड-प्ले अधोसंरचना विकसित होने से छोटी औद्योगिक इकाइयों को तेजी से उत्पादन शुरू करने में मदद मिलेगी।

सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के चेयरमैन एवं श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक बजरंग गोयल ने एमएसएमई को राज्य की औद्योगिक मूल्य-श्रृंखला की रीढ़ बताते हुए कहा कि सीआईआई उद्योग और शासन के बीच सेतु के रूप में अपनी भूमिका निभाता रहेगा। सीआईआई छत्तीसगढ़ एमएसएमई पैनल के संयोजक एवं आरती स्पंज एंड पावर लिमिटेड के निदेशक आदित्य मूंदड़ा ने विषय प्रवर्तन करते हुए तकनीक, वित्त और अनुपालन सुधार को एमएसएमई के विकास के तीन महत्वपूर्ण आधार बताया। सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के वाइस चेयरमैन एवं अविनाश ग्रुप के प्रबंध निदेशक आनंद सिंघानिया ने आभार व्यक्त किया।

एमएसएमई विकास का वित्तपोषण विषय पर आयोजित सत्र में भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के संयुक्त सचिव विनम्र मिश्रा ने एमएसएमई क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर हुई प्रगति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 से अब तक 7.3 करोड़ से अधिक उद्यम पंजीयन हो चुके हैं तथा क्रेडिट गारंटी योजना में एक करोड़ गारंटी का आंकड़ा पार किया जा चुका है। उन्होंने अप्रैल 2025 से लागू संशोधित एमएसएमई वर्गीकरण सीमाओं के संबंध में भी जानकारी दी। एमएसएमई विकास हेतु ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस पर उद्योग दृष्टिकोण सत्र में उद्योग संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन के संचालक प्रभात मलिक ने राज्य में सिंगल-विंडो प्रणाली, समयबद्ध स्वीकृतियों और अनुपालन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। प्रश्नोत्तर के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने स्वीकृतियों की समय-सीमा, निरीक्षण, भूमि आवंटन और विलंबित भुगतान सहित विभिन्न व्यावहारिक विषयों पर चर्चा की।

सत्र में क्रेडाई के अध्यक्ष पंकज लाहोटी, ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (आरएडीए) के अध्यक्ष कैलाश खेमानी तथा छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने उद्योग जगत से जुड़े व्यावहारिक सुझाव रखे। कॉन्क्लेव से प्राप्त प्रमुख सुझावों को सीआईआई द्वारा राज्य शासन को सौंपा जाएगा।

राज्यस्तरीय रोजगार मेला 7 एवं 8 अक्टूबर को

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार से जोड़ने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा 07 एवं 08 अक्टूबर 2026 को सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, बूढ़ापारा, रायपुर में दो दिवसीय वृहद राज्यस्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले के दूसरे दिन 08 अक्टूबर को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में चयनित युवाओं को ऑफर लेटर वितरित किए जाने प्रस्तावित हैं। प्रदेश के शिक्षित एवं प्रशिक्षित युवाओं को स्थानीय उद्योगों के साथ राष्ट्रीय स्तर की कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

ब्लैक-ग्रे स्पॉट पर यातायात पुलिस की नजर, 28 दिन में 11,373 चालकों पर कार्रवाई

दुर्ग। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए दुर्ग यातायात पुलिस ने जिले के चिन्हित ब्लैक स्पॉट और ग्रे स्पॉट पर दिन-रात विशेष वाहन चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। पुलिस की निगरानी खासतौर पर तेज रफ्तार, शराब पीकर वाहन चलाने, बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने वालों पर है। 28 सितंबर 2026 तक सितंबर माह में 11,373 वाहन चालकों के खिलाफ यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की गई है। इनमें सबसे ज्यादा 6,672 वाहन चालक बिना हेलमेट पकड़े गए। वहीं 626 चालक बिना सीट बेल्ट, 133 शराब के नशे में वाहन चलाते, 167 तेज रफ्तार और 134 लापरवाही से वाहन चलाते पाए गए। पूर्व में हुए सड़क हादसों के समय और उनके कारणों का विश्लेषण किया है। इसके आधार पर दुर्घटना संभावित समय में विशेष चेकिंग की जा रही है। इसका उद्देश्य लापरवाह वाहन चालकों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना है।

अशांति फैलाने वाले चार बदमाशों पर कार्रवाई

राजनांदगांव। जिले में शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चिखली पुलिस चौकी ने विवाद कर अशांति फैलाने वाले चार बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170, 126 और 135(3) के तहत कार्रवाई कर उन्हें एसडीएम न्यायालय में पेश किया। 28 सितंबर को चौकी क्षेत्र में विवाद कर शांति भंग करने की सूचना पर पुलिस टीम ने कार्रवाई की। कार्रवाई की जद में राकेश मेश्राम (30), अविनाश दास मानिकपुरी (30), धनुष साहू उर्फगोलू (19),हर्ष सेवता (24)शामिल हैं।

रायगढ़ में 16 हाथियों ने रौंदी किसानों की फसलें

रायगढ़। रायगढ़ जिले में हाथियों का दल लगातार रात होने के बाद खेतों तक पहुंच रहा है। रायगढ़ वन मंडल के तमनार रेंज के सामारूमा गांव में हाथियों ने 5 किसानों की फसल को नुकसान पहुंचाया। वहीं घरघोड़ा रेंज के कमतरा में एक किसान की धान की फसल बर्बाद हो गई। इसी तरह धरमजयगढ़ वन मंडल के नलकालो क्षेत्र में कुसुम और श्रवण कुमार की फसल को हाथियों ने नुकसान पहुंचाया। प्रेमनगर और मेढरमार क्षेत्र में भी हाथियों के दल ने विजय राय, चैतराम, रत्थूलाल और दिलीप की धान की फसल को रौंद दिया। इसके अलावा लैलूंगा और गमेकेला क्षेत्र में प्रशांत भगत, खेमचंद, मूसतराम और लालोनी शर्मा की धान की फसल को भी हाथियों ने नुकसान पहुंचाया है। वन विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, जिले के रायगढ़ और धरमजयगढ़ वन मंडल क्षेत्र में वर्तमान में करीब 130 हाथी मौजूद हैं। इनमें 39 नर, 62 मादा और 29 शावक शामिल हैं। हाथियों के इतने बड़े दल की मौजूदगी से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल है। हालांकि, हाथी मित्र दल और ट्रेकर लगातार इनकी निगरानी कर रहे हैं।

16 अपराध दर्ज, आरोपी दिलकश अली का जिला बदर, 3 महीने तक 6 जिलों में नहीं कर सकेगा प्रवेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपी दिलकश अली के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के तहत आदेश जारी कर उसे 3 महीने के लिए रायपुर समेत 6 जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर कर दिया है।

आदेश के मुताबिक, दिलकश अली पिता हुमायूं अली (26) तरुण नगर, जीवन प्लाजा के पीछे, सिविल लाइन क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वर्ष 2019 से उसके खिलाफलगातार आपराधिक मामले दर्ज होते रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, दिलकश के खिलाफ सिविल लाइन और पंडरी थानों में मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, चाकूबाजी और आर्म्स एक्ट समेत कुल 16 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके खिलाफ कई बार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई, लेकिन पुलिस के मुताबिक उसके व्यवहार में सुधार नहीं आया। पुलिस उपायुक्त मध्य क्षेत्र की रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच की गई। आपराधिक रिकॉर्ड, उपलब्ध साक्ष्यों और पुलिस प्रतिवेदन की समीक्षा के बाद पुलिस कमिश्नर ने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 5(ख) के तहत जिला बदर का आदेश जारी किया। जिला बदर की अवधि के दौरान दिलकश अली को रायपुर, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार और गरियाबंद जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहना होगा। आदेश की अवधि 3 महीने निर्धारित की गई है।

रायगढ़ गैंगरेप मामले में दो आरोपी को उम्रकैद, 4 को 20 साल की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में आदिवासी महिला से गैंगरेप के मामले में करीब 2 साल 1 महीने बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। 9 आरोपियों के खिलाफदर्ज इस मामले में 2 आरोपियों को आजीवन कारावास और 4 को 20-20 साल की सजा दी गई है। 2 नाबालिगों का केस किशोर न्यायालय में चल रहा है, जबकि एक आरोपी की केस के दौरान मौत हो गई। आरोपियों ने महिला को धमकाकर तालाब के पास और एक खंडहर मकान में ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया था। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, मामला 19 अगस्त 2024 का है। विशेष लोक अभियोजक राजीव बेरीवाल के अनुसार 27 साल की पीड़िता घरेलू काम करती है। उसका साल 2018 में पति से तलाक हो चुका है। वह अपने माता-पिता, बड़े भाई और 9 साल के बेटे के साथ रहती है। 19 अगस्त की शाम करीब 6 बजे पीड़िता अकेले पैदल मेला देखने रायगढ़ जा रही थी। केसाईपाली रोड पर मेन रोड के पास कृष्णा चौहान उर्फ राहुल चौहान अपने चार साथियों के साथ खड़ा था। पीड़िता की पहले से कृष्णा से पहचान थी। आरोपियों ने उसे रुकने के लिए कहा। इसके बाद हाथ

पकड़कर तालाब की ओर ले गए। पीड़िता ने विरोध किया तो उसे जान से मारने और शव फेंकने की धमकी दी गई।

पचरी घाट पर सभी ने किया रेप

आरोपियों ने पीड़िता को तालाब के किनारे पचरी घाट पर ले जाकर उसके साथ रेप किया। पहले कृष्णा चौहान ने उसके साथ रेप किया। इसके बाद उसके साथियों ने बारी-बारी से वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद कृष्णा चौहान और उसका एक साथी पीड़िता को धमकाते हुए खेत के रास्ते मंदिर के पास ले गए। वहां एक कमरे के खंडहर मकान में दोबारा उसके साथ रेप किया। इसके बाद कृष्णा पीड़िता को अपने घर की ओर ले गया। उसने धमकी दी कि अगर उसने किसी को घटना के बारे में बताया या चिल्लाई तो वह और उसके साथी उसे जान से मारकर फेंक देंगे। वह पीड़िता को बाहर छोड़कर दीवार के रास्ते घर के अंदर चला गया। इसके बाद पीड़िता ने मौका पाकर दरवाजा खटखटाया। वहां मौजूद एक महिला को उसने बताया कि कृष्णा उसे जबरदस्ती लेकर आया है।

महिला ने उसकी बात नहीं सुनी और दरवाजा बंद कर दिया। पास में बैठी कुछ महिलाओं को पीड़िता ने बताया कि कृष्णा उसे जबरदस्ती लाया था और उसके साथ गलत काम किया गया है। इसके बाद पीड़िता ने गांव के सरपंच को फोन कर बताया कि केसाईपाली के कुछ लड़कों ने उसे घेर लिया है और घर नहीं जाने दे रहे हैं। सरपंच मौके पर पहुंचा और उसे बाइक से गांव लेकर आया। रास्ते में पीड़िता ने उसे पूरी घटना बताई। सरपंच ने उसे घर छोड़ा और परिवार से सलाह के बाद जानकारी देने की बात कही। डर के कारण पीड़िता ने उसी दिन परिवार को कुछ नहीं बताया। अगले दिन उसने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़िता अपनी मां और सरपंच के साथ थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने जांच के बाद आरोपियों को किया गिरफ्तार

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़िता और गवाहों के बयान दर्ज किए गए। मामले में एससी/एसटी एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गईं और पीड़िता का जाति प्रमाण पत्र जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपियों और पीड़िता का डीएनए परीक्षण भी कराया। इसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अभियोजन के अनुसार मामले में दो नाबालिगों के खिलाफ अलग से चालान किशोर न्यायालय में पेश किया गया। इनमें एक फरार था, जिसकी बाद में मौत हो गई। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद न्यायालय ने सचीदानंद साहू उर्फ मुनु और उत्तम मिर्धा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं कृष्णा चौहान, नरेंद्र सिदार, बबलू चौहान और राहुल खड़िया को 20-20 साल के कारावास की सजा दी गई। सभी को अर्थदंड से भी दंडित किया गया। मामले में विशेष लोक अभियोजक राजीव बेरीवाल ने पैरवी की।

नशे में डैम में उतरा क्लर्क, डूबने से मौत, 3 घंटे बाद मिली लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के कोटा स्थित कोरी डैम के वेस्ट वेयर में नशे की हालत में पानी में उतरते ही शिक्षा विभाग का क्लर्क गहराई में डूब गया। करीब 3 घंटे की तलाश के बाद उसका शव बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि वह दोस्तों के साथ तैरते-तैरते गहराई में चला गया, जिसके बाद बाहर नहीं निकल सका। गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना कोटा थाना क्षेत्र की है। मंगला का रहने वाला दिग्विजय कुमार कौशिक (34) शिक्षा विभाग में क्लर्क था। उसकी पोस्टिंग कोटा ब्लॉक के ग्राम धौराभाठा के स्कूल में थी। उसने सोमवार को घरेलू काम के लिए छुट्टी ली थी। बताया जा रहा है कि घर का काम निपटाने के बाद उसने शराब पी। इसके बाद वह 3 दोस्तों के साथ दोपहर करीब साढ़े 12 बजे घूमने निकला था।

इस दौरान वह दोस्तों के साथ घूमने कोरी डैम पहुंचा। यहां दिग्विजय, नीतेश और एक अन्य दोस्त वेस्ट वेयर के पानी में नहाने उतरे, जबकि दो दोस्त बाइक पर बैठे रहे। तीनों पानी में तैरते हुए आगे बढ़े। नीतेश और उसका साथी आगे निकल गए। पीछे पलटकर देखा तो दिग्विजय पानी में नहीं दिखा। दोस्तों ने आसपास के लोगों की मदद से उसकी तलाश की, लेकिन

उसका पता नहीं चला। 112 पर सूचना देने के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। करीब 3 घंटे की तलाश के बाद एसडीआरएफ ने पानी की तह से दिग्विजय का शव बरामद किया।

दिग्विजय तैरना जानता था। चश्मदीद नीतेश कुमार सोंचे ने बताया कि वह दिग्विजय के साथ एक ही स्कूल में पदस्थ है। दिग्विजय ने सोमवार को उसे कॉल कर बुलाया था। इसके बाद वह तीन अन्य दोस्तों के साथ कोरी डैम पहुंचा। दोपहर करीब साढ़े 12 बजे दिग्विजय, नीतेश और एक अन्य दोस्त पानी में नहाने उतरे, जबकि दो दोस्त ऊपर बाइक पर बैठे थे। नीतेश और उसका साथी वेस्ट वेयर के झरने के पास पहुंचे तो दिग्विजय दिखाई नहीं दिया। इसके बाद सभी ने उसकी तलाश शुरू कर दी। दिग्विजय की हाइट करीब 5 फीट थी और जहां वह डूबा, वहां पानी की गहराई भी करीब 5 फीट ही बताई गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवा दिया है और मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

जांजगीर जिला अस्पताल में डिलीवरी के बाद महिला की मौत, परिजनों ने गलत इंजेक्शन का लगाया आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा के जिला अस्पताल में प्रसव के बाद 19 साल की एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। महिला ने एक बेटे को जन्म दिया था। परिजनों ने इलाज में लापरवाही और गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और नवजात की देखभाल के लिए मुआवजे की मांग की है। मृतका की पहचान अफरीद गांव निवासी सरिता गांधव के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, सरिता को प्रसव के लिए 24 सितंबर को जिला अस्पताल में

भर्ती कराया गया था। यहां उसकी सामान्य डिलीवरी हुई और उसने बेटे को जन्म दिया। पति का कहना है कि डिलीवरी के बाद करीब 24 घंटे तक सरिता की हालत ठीक थी। परिजनों के अनुसार, 25 सितंबर की शाम करीब 4 बजे सरिता को अचानक तेज दर्द होने लगा और वह परेशान होने लगी। उनका आरोप है कि नर्स को जानकारी देने के बाद भी तुरंत ध्यान नहीं दिया गया। परिजनों के दबाव के बाद डॉक्टर और नर्स पहुंचे और इलाज शुरू किया।

परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगाए जाने के बाद सरिता की हालत और बिगड़ गई और वह बेहोश हो गई। इसके बाद उसे आईसीयू में भर्ती किया गया।

27 और 28 सितंबर की दरमियानी रात करीब 2 बजे सरिता की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि गलत इंजेक्शन दिए जाने के बाद सरिता की हालत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। उन्होंने संबंधित डॉक्टर और नर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही नवजात बच्चे की परवरिश के लिए मुआवजा देने की मांग भी की है। अस्पताल के सिविल सर्जन के अनुसार, सरिता 19 साल की गर्भवती महिला थी और उसकी हालत गंभीर होने पर अस्पताल में भर्ती किया गया था। डॉक्टरों के मुताबिक, भर्ती के समय ही प्रसव का रास्ता खुला हुआ था।

उसके दोनों पैरों में सूजन थी और ब्लड प्रेशर काफी बढ़ा हुआ था। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, डॉक्टरों ने भर्ती के समय ही परिजनों को महिला की गंभीर स्थिति के बारे में बताया था और बेहतर इलाज के लिए उसे किसी बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी थी। महिला की मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगा।

तालाब में नहाने गया युवक गहरे पानी में डूबा, मौत एसडीआरएफ ने सर्च ऑपरेशन चलाकर शव बाहर निकाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले में तालाब में नहाने गए 32 साल के युवक की डूबने से मौत हो गई। नहाते समय पैर फिसलने से वह तालाब के गहरे पानी में चला गया। सूचना मिलने पर एसडीआरएफदुर्ग की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन चलाकर शव पानी से बाहर निकाला।

घटना अमलेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम पाहंदा की है। जानकारी के मुताबिक भिलाई कैंप-2 के शारदा पारा निवासी अश्वनी विश्वकर्मा (32) ग्राम पाहंदा के तालाब में नहाने गया था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और रेस्क्यू टीम को दी।

सूचना मिलते ही एसडीआरएफ दुर्ग की रेस्क्यू टीम जीवन रक्षक उपकरणों के साथ पाहंदा तालाब पहुंची। टीम के गोताखोरों ने गहरे पानी में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने युवक को तलाशकर पानी से बाहर

निकाला। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

एसडीआरएफ ने पुलिस को सौंपा शव

रेस्क्यू अभियान पूरा होने के बाद एसडीआरएफ की टीम ने अश्वनी का शव अमलेश्वर थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने शव को मर्ग पंचनामा और अन्य वैधानिक कार्रवाई के लिए अपने कब्जे में लिया है। हादसे की सूचना युवक के परिजनों को भी दे दी गई है।

गर्लफ्रेंड को लेकर विवाद, बीच-बचाव करने पहुंचे युवक के पेट पर चाकू से हमला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र के छपोरा गांव में 11वीं कक्षा के छात्रों के बीच गर्लफ्रेंड को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। विवाद के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे युवक हरीश रात्रे पर चाकू से हमला कर दिया गया।

मुख्य आरोपी दिव्यांश बंजारे ने हरीश के पेट में चाकू से वार किया। हमले में घायल हरीश का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, विवाद के दौरान दिव्यांश बंजारे के साथ तरुण बंजारे और एक नाबालिग भी मौजूद था। आरोप है कि तरुण और नाबालिग ने हरीश को पकड़ रखा था, इसी दौरान दिव्यांश ने उसके पेट में चाकू मार दिया।

वारदात के बाद भागे पुलिस ने पकड़ा

हमले के बाद तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। घटना की सूचना मिलने के बाद विधानसभा पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और तत्परता से तीनों को पकड़ लिया। पुलिस ने दिव्यांश बंजारे और तरुण बंजारे को गिरफ्तार किया है, जबकि अपचारी बालक को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास समेत संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। घटना में इस्तेमाल चाकू की तलाश और बरामदगी की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस विवाद के पीछे की पूरी वजह और घटनाक्रम की भी जांच कर रही है।

फरार वारंटियों पर पुलिस की कार्रवाई, 13 स्थायी वारंट तामील

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे वारंटियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अब तक 13 स्थायी वारंट तामील किए गए हैं। इनमें 6 वारंटियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है।

पत्थलगांव पुलिस ने 8 स्थायी वारंट तामील किए। इस दौरान शैलेश कुमार भगत, जुगेश्वर यादव, राजू कुजूर, मोहन उर्फ गुन्नू यादव, मयंक रोहिला और निरंजन एक्का को गिरफ्तार किया गया। इनमें एक आरोपी के खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में स्थायी वारंट जारी था। वहीं, एक वारंटी की मौत हो चुकी है।

पुलिस के मुताबिक, इन आरोपियों की तलाश काफी समय से की जा रही थी। कुछ आरोपी जमानत मिलने के बाद कोर्ट में पेश नहीं हुए थे, जबकि कुछ लंबे समय से फरार चल रहे थे।

राजू कुजूर के खिलाफ चोरी और घर में सेंधमारी के दो अलग-अलग मामलों में स्थायी वारंट था। शैलेश कुमार भगत के खिलाफ धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक साजिश का मामला है। जुगेश्वर यादव के खिलाफ निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट की धारा 138 के तहत वारंट लंबित था। मोहन उर्फ गुन्नू यादव पर घर में चोरी और मयंक रोहिला पर मारपीट के मामले में वारंट था।

अभियान के दौरान पुलिस को रामू मिंज के निधन की जानकारी मिली। उसके खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 5, 6 और 10 के तहत स्थायी वारंट जारी था। पुलिस ने उसकी मौत की पुष्टि कर जरूरी कानूनी कार्रवाई की।

चौकी कोतबा पुलिस ने भी दो स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। इनमें घोघरा निवासी वेदलाल सिदार के खिलाफ धारा 342, 394 और 34 भादंवि के तहत वारंट लंबित था। वहीं, कोतबा निवासी विजय चौहान के खिलाफ धारा 294, 506(बी), 323 और 324 भादंवि के तहत वारंट जारी था। इसके अलावा थाना लोदाम, सिटी कोतवाली जशपुर और थाना फरसाबहार पुलिस ने भी एक-एक स्थायी वारंटी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया है।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि कोर्ट से जारी स्थायी और दूसरे लंबित वारंटों की तामील को प्राथमिकता दी जा रही है। पुलिस टीमें वारंटियों के संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाकर उनकी लगातार तलाश कर रही हैं। लंबित वारंटों की तामील के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

न्यायालय कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी जिला बेमेतरा (छ.ग.)

सार्वजनिक सूचना

प्रारूप ''क''

राज्य शासन के विभाग - कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा उपसंभाग बेमेतरा के अंतर्गत कुम्हारी - अहिवारा - बेरला (मु. जि. मा.) के अंधामोड़ पुनर्रेखण कार्य हेतु ग्राम-सरदा, प.ह.नं. 17, रा.नि.मं. सरदा, तहसील - बेरला, जिला - बेमेतरा (छ.ग.) के भूमि की आवश्यकता होने से राज्य शासन विभाग निम्नांकित कृषक की भूमि आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति 2016 के तहत क्रय करना चाहता है ।

स. क्र.	भू-स्वामी का नाम व पिता/पति का नाम	क्रय करने हेतु प्रस्तावित भूमि का विवरण			
		खसरा नं.	हेक्टेयर में	एकड़ में	वर्गमीटर में
1	2	3	4	5	6
1	राजू पिता बंशी , जाति - ठेठवार	169	0.0215	0.054	215.00
2	संदीप कुमार पिता डालचंद , जाति - जैन	170	0.0704	0.174	704.00

यदि किसी व्यक्ति या संस्था को क्रय-विक्रय या स्वत्व में कोई आपत्ति हो तो वह आधारों एवं सुसंगत दस्तावेजों सहित लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 12/10/2026 तक इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 21/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी किया गया

कलेक्टर एवं भू-अर्जन अधिकारी
जिला- बेमेतरा (छ.ग.)

जी-262703578/3

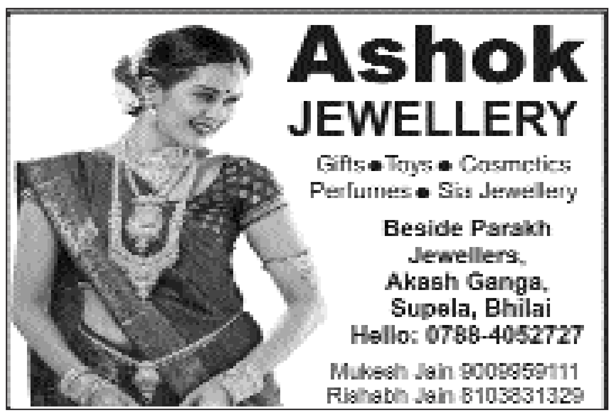

बस्तर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे मुख्यमंत्री साय, प्रभावित परिवारों से मिलकर जाना हाल

संकट की इस घड़ी में हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार - मुख्यमंत्री साय

शासन से मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त मुख्यमंत्री राहत कोष से प्रत्येक प्रभावित परिवार को 10 हजार की मदद की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री साय जगदलपुर नगर निगम क्षेत्र के डोंगाघाट पहुंचे और बाढ़ से प्रभावित परिवारों से आत्मीयतापूर्वक मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रभावित लोगों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से खड़ी है तथा प्रत्येक प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत देते हुए शासन के प्रावधानों के तहत मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त प्रत्येक प्रभावित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से ?10-10 हजार की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ से हुई क्षति का सर्वे और आकलन तेजी से पूरा कर पात्र परिवारों तक शासन की सहायता शीघ्र पहुंचाई जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने डोंगाघाट में बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने प्रभावितों से बाढ़ के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों, मकानों एवं घरेलू सामान को हुए नुकसान तथा वर्तमान में उपलब्ध कराई जा रही राहत के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न हो। भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री प्रभावित लोगों तक समय पर पहुंचाई जाए। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं तथा जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए राहत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर महापौर संजय पाण्डेय, नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन, कमलचंद्र भंजदेव सहित अन्य जनप्रतिनिधि तथा कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बी.एन. मीणा, कलेक्टर आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मकान, फसल और पशुधन की क्षति का शीघ्र हो आकलन

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों को बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों, फसलों, पशुधन और अन्य संपत्तियों का संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ सर्वे करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नुकसान का वास्तविक आकलन कर संबंधित परिवारों को शासन के प्रावधानों के अनुसार सहायता शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। कोई भी पात्र प्रभावित परिवार सहायता से वंचित नहीं रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से राहत शिविरों और प्रभावित बस्तियों में नियमित रूप से पहुंचकर लोगों की जरूरतों की जानकारी लेने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि राहत कार्यों में मानवीय संवेदनशीलता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए और प्रत्येक प्रभावित व्यक्ति तक आवश्यक मदद समय पर पहुंचे।

हर प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है सरकार : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की इस कठिन घड़ी में राज्य सरकार बाढ़ प्रभावित भाई-बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है। प्रभावित लोगों की सुरक्षा, राहत और उनके जीवन को जल्द से जल्द सामान्य बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी और प्रभावित परिवारों को शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा रहे हैं। प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं के अनुरूप भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएं और अन्य जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। स्थिति की लगातार निगरानी करते हुए आवश्यकता के अनुरूप त्वरित कदम उठाए जा रहे हैं।

इंद्रावती के जलस्तर और प्रभावित इलाकों का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री साय ने इंद्रावती पुल पहुंचकर नदी के जलस्तर तथा आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से जिले में बारिश एवं बाढ़ की स्थिति, प्रभावित गांवों और शहरी क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित परिवारों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलस्तर में बदलाव और मौसम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए। निचले एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव दलों को तत्काल सक्रिय किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी आपात स्थिति में सहायता पहुंचाने की व्यवस्था पूरी तरह तैयार रहनी चाहिए।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री साय ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ का पानी कम होने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जलस्रोतों की सफाई एवं आवश्यक उपचार के साथ जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमों को सक्रिय रखा जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य शिविर लगाने, दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता रखने और बीमारी के किसी भी संभावित प्रकोप पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत कार्य केवल बाढ़ का पानी उतरने तक सीमित न रहें, बल्कि प्रभावित परिवारों के जीवन को सामान्य बनाने तक आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से जारी रहें।

मुख्यमंत्री ने सुकमा जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, पीड़ित परिवारों से मिलकर जाना हाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुकमा जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बाढ़ से प्रभावित शबरीनगर, श्रीनगर, लाइनपारा सहित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने राहत एवं स्वास्थ्य शिविरों में पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याएं एवं आवश्यकताएं जानीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ उनके साथ खड़ी है। बाढ़ से जिन परिवारों के मकान, घरेलू सामान अथवा अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, उन्हें नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने के साथ राहत और पुनर्वास के लिए हर आवश्यक कदम उठाया जाएगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने शबरीनगर में स्थापित राहत एवं स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री राहत शिविर में रह रहे प्रभावित लोगों के बीच पहुंचे और उन्हें स्वयं भोजन परोसकर आत्मीयता के साथ उनका हालचाल जाना।

मुख्यमंत्री बाढ़ प्रभावित परिवार के घर भी पहुंचे। उन्होंने परिवार के सदस्यों से बातचीत कर बाढ़ के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों और हुए नुकसान की जानकारी ली तथा उन्हें ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों की कठिनाइयों को समझते हुए सहायता पहुंचाने में किसी प्रकार का विलंब नहीं होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 23 एवं 24 सितंबर को हुई अतिवृष्टि

से सुकमा जिले के अनेक क्षेत्रों में बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति निर्मित हुई थी। प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों के साथ स्वास्थ्य शिविर संचालित किए जा रहे हैं। जरूरतमंद परिवारों को तात्कालिक सहायता, सूखा राशन एवं गर्म वस्त्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन और आवश्यक स्वच्छता संबंधी उपाय भी किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कोंटा क्षेत्र में भी बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लिया। पिछले दिनों लगातार बारिश के कारण सबरी नदी में जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे के गांवों के साथ कोंटा नगर पालिका के चार वार्डों में पानी भर गया था। कोंटा क्षेत्र में प्रभावितों के 19 राहत केंद्रों में ठहरने, भोजन, पेयजल एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई है।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों को देखा और प्रभावित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ से मकानों, घरेलू सामान तथा अन्य परिसंपत्तियों को हुए नुकसान का प्राथमिकता से आकलन करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि पात्र प्रभावितों को आरबीसी 6-4 के प्रावधानों के तहत मिलने वाली क्षतिपूर्ति राशि शीघ्र प्रदान की जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाढ़ के कारण घरों में रखे सामान को नुकसान पहुंचने से प्रभावित परिवारों के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे करीब 300 प्रभावित परिवारों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी। यह राशि आरबीसी 6-4 के तहत पात्रता के अनुसार मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त होगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों को सामान्य जीवन की ओर लौटने में हर संभव सहयोग दिया जाए। क्षति के आकलन से लेकर सहायता राशि के वितरण तक पूरी प्रक्रिया संवेदनशीलता और तत्परता के साथ पूरी हो। कोई भी पात्र परिवार सहायता से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत के बाद अब पुनर्वास के कार्यों को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाए। जिन परिवारों ने इस आपदा में नुकसान सहा है, उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए शासन की सहायता समय पर उन तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रत्येक प्रभावित परिवार के साथ खड़ी है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

वरिष्ठ नागरिकों की आस्था और तीर्थ दर्शन की अभिलाषा को सम्मान दे रही राज्य सरकार : मंत्री राजवाड़े

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत रायपुर रेलवे स्टेशन से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन तीर्थयात्रियों को लेकर रवाना हुई। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने यात्रियों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

यह यात्रा 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2026 तक आयोजित है। इस दौरान श्रद्धालु महाराष्ट्र के शिर्डी में साईं बाबा, शनि शिंगणापुर में शनिदेव तथा त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे। प्रस्थान से पहले

रायपुर रेलवे स्टेशन पर तीर्थयात्रियों में उत्साह दिखाई दिया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना उन वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष अवसर है, जो वर्षों से तीर्थयात्रा की इच्छा रखते हैं, लेकिन विभिन्न परिस्थितियों के कारण यात्रा नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि तीर्थ दर्शन आस्था और सांस्कृतिक जुड़ाव का अनुभव है। राज्य सरकार का प्रयास है कि पात्र हितग्राही आवश्यक सुविधाओं के साथ सहज और सुरक्षित वातावरण में तीर्थस्थलों के दर्शन कर सकें।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य पात्र हितग्राहियों को प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा का अवसर उपलब्ध कराया जाता है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने यात्रियों से यात्रा के दौरान अपना ध्यान रखने और इस अवसर का आनंद लेने का आग्रह किया।

रवानगी के अवसर पर समाज कल्याण विभाग और रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कुनकुरी में 1.01 करोड़ रुपये के दो विकास कार्यों को मिली स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप जशपुर जिले के कुनकुरी नगर में दो महत्वपूर्ण विकास कार्यों के लिए कुल 1 करोड़ 1 लाख 64 हजार रुपये की अंतिम स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें सूर्य नमस्कार चौक और सामुदायिक भवन का निर्माण शामिल है। दोनों कार्यों की स्वीकृति मिलने से कुनकुरी में अधोसंरचना विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ग्राम कलिबा में नवनिर्मित कलिबेश्वर महादेव मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान इन दोनों विकास कार्यों की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप अब दोनों कार्यों को अंतिम स्वीकृति मिलने के साथ ही इनके निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

कुनकुरी के वार्ड क्रमांक 06 में हनुमान टेकड़ी के पास सूर्य नमस्कार चौक का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 76.81 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। चौक के विकसित होने से नगर को एक आकर्षक और व्यवस्थित सार्वजनिक स्थल मिलेगा। यह नगर की पहचान को नया स्वरूप देने के साथ नागरिकों के लिए उपयोगी सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा।

वार्ड क्रमांक 06 में हनुमान टेकड़ी के पास ही सामुदायिक भवन का निर्माण भी किया जाएगा। इसके लिए 24.83 लाख रुपये की अंतिम स्वीकृति प्रदान की गई है। सामुदायिक भवन बनने से स्थानीय नागरिकों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं अन्य सामुदायिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री की घोषणा पूरी होने पर नगरवासियों में खुशी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के अनुरूप दोनों विकास कार्यों को स्वीकृति मिलने पर कुनकुरी नगरवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है। नगरवासियों का कहना है कि इन कार्यों के पूरा होने से स्थानीय स्तर पर नागरिक सुविधाएं बढ़ेंगी और कुनकुरी के विकास को नई गति मिलेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950